श्रावण कृष्ण पक्ष -12, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 42 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
01 अगस्त 2024 गुरुवार

आज का मौसम
31 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

बाजार नई ऊंचाई पर, पहली बार निफ्टी 25 हजार पार

इधर साइबर अटैक से 300 बैंक का कामकाज ठप

मुंबई, एजेंसी।

शेयर बाजार ने आज ऐसी जबरदस्त तेजी दिखाई कि शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 300 अंक ऊपर उठकर पहली बार 82 हजार के आंकड़े को पार कर गया। इसके अलावा निफ्टी में भी 108 अंकों का उछाल देखा गया। इसी के साथ निफ्टी भी पहली बार 25,000 अंकों के आंकड़े को पार कर गया। वहीं भारतीय बैंकिंग सिस्टम पर बड़ा साइबर अटैक हुआ और इसके चलते देश के करीब 300 छोटे बैंकों में काम-काज ठप हो गया।

गौरतलब है कि बीते दिनों माइक्रोसॉफ्ट सर्वर में एक खराबी की वजह से दुनिया भर में बैंकों से लेकर शेयर बाजार तक में हाहाकार मच गया था, तो रैनसमवेयर अटैक की वजह से इन सैकड़ों बैंकों के पेमेंट सिस्टम भी आज फेल नजर आए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये साइबर अटैक उस कंपनी पर हुआ है, जो इन सभी स्माक बैंक्स को टेक्निकल सपोर्ट मुहैया कराती है। हालांकि, इस साइबर अटैक को संज्ञान में लेते हुए भारत में पेमेंट्स सिस्टम की देख-रेख करने वाली संस्था नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने फिलहाल अस्थायी रूप से इस कंपनी के काम पर रोक लगा दी है।

300 बैंकों का पेमेंट सिस्टम फेल

भारतीय बैंकिंग सिस्टम को लेकर मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सी-एज टेक्नोलॉजीस कंपनी पर रैनसमवेयर अटैक किया गया, यही छोटे बैंकों को टेक्निकल सपोर्ट सर्विस देती है। साइबर अटैक का सीधा असर इससे जुड़े लगभग 300 बैंकों पर पड़ा है। इससे जद में आए बैंकों के पेमेंट सिस्टम में भी खराबी देखने को मिली। हालांकि, सी-एज टेक्नोलॉजीस की ओर से इस को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी कोई स्टेटमेंट जारी नहीं किया है।

संसद की नई बिल्डिंग से रिसा पानी अखिलेश बोले-पुरानी संसद चलें

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर तमिलनाडु से कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर द्वारा पोस्ट किया एक वीडियो वायरल हो रहा है।

वीडियो में नई संसद भवन के अंदर पानी का रिसाव देखा गया। गिरते हुए पानी को फैलने से रोकने के लिए फर्श पर बकेट रखी गई है। कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'बाहर पेपर लीकेज, अंदर वॉटर लीकेज। राष्ट्रपति द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली संसद लॉबी में हाल ही में पानी का रिसाव, नए भवन में मौसम संबंधी समस्याओं को उजागर करता है, जो कि निर्माण पूरा होने के सिर्फ एक साल बाद ही सामने आई है।

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, 'इस नई संसद से अच्छी तो वो पुरानी संसद थी, जहां पुराने सांसद भी आकर मिल सकते थे। क्यों न फिर से पुरानी संसद चलें। कम-से-कम तब तक के लिए, जब तक अरबों रुपयों से बनी संसद में पानी टपकने का कार्यक्रम चल रहा है। यादव ने लिखा कि बीजेपी सरकार में बनी हर नई छत से पानी टपकना, उनकी सोच-समझकर बनायी गयी डिज़ाइन का हिस्सा होता है या फिर... !

गैस सिलेंडर महंगा हुआ एटीएफ के दाम बढ़े

नई दिल्ली। आज महीने की पहली तारीख को होने वाले बदलावों के तहत 19 किलो वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 8.50 रुपए तक महंगा हो गया है। वहीं इनकम टैक्स रिटर्न भरने की डेडलाइन खत्म होने के बाद अब रिटर्न फाइल करने लिए 5 हजार रुपए तक की लेट फीस देनी होगी ।इसके अलावा एविएशन फ्यूल के दाम बढ़ने से हवाई सफर मंहगा हो सकता है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतों को 2,058.29 रुपए प्रति किलोलीटर तक बढ़ा दिया है। वहीं राजस्थान में बिजली महंगी हो गई है।

यह असमानता के खिलाफ नहीं, पर मनमर्जी से काम नहीं करें राज्यः सुप्रीम कोर्ट

अब आरक्षण कोटा के अंदर कोटा 20 साल पुराना फैसला पलटा

नई दिल्ली, एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कोटे के भीतर कोटे को मंजूरी दे दी है। अदालत ने कहा है कि कोटे में कोटा असमानता के खिलाफ नहीं है। सात जजों की पीठ ने कहा कि राज्य सरकार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों में सब-कैटेगरी बना सकती है, जिससे मूल और जरूरतमंद कैटेगरी को आरक्षण का अधिक फायदा मिलेगा। पर, कोटा के भीतर कोटा तर्कसंगत अंतर पर आधार पर होगा। इसे लेकर राज्य मनमर्जी से काम नहीं कर सकते। इसके साथ ही राज्यों की गतिविधियां न्यायिक समीक्षा के अधीन होगी।

इसके साथ ही अदालत ने आज वर्ष 04 में ईवी चिन्नैया मामले में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों के फैसले को पलट दिया। मौजूदा पीठ ने उस फैसले को दरकिनार कर दिया जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि एसी/एसटी जनजातियों में सब कैटेगरी नहीं बनाई जा सकती। कोर्च ने कहा कि हालांकि, आरक्षण के बावजूद निचले तबके के लोगों को अपना पेशा छोड़ने में कठिनाई होती है। जस्टिस भूषण आर गवई ने सामाजिक लोकतंत्र की जरूरत पर दिए गए बीआर आंबेडकर के भाषण का हवाला देते हुए कहा कि पिछड़े समुदायों को प्राथमिकता देना राज्य का कर्तव्य है। अजाजजा वर्ग के केवल कुछ लोग ही आरक्षण का लाभ उठा रहे हैं लेकिन जमीनी हकीकत से इनकार नहीं किया जा सकता कि एससी/एसटी के भीतर ऐसी श्रेणियां हैं जिन्हें सदियों से उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है।

फैसले की बड़ी बातें

- आरक्षण में उन लोगों को प्राथमिकता दी जाए, जिनको वास्तव में इसकी जरूरत है।
- इसका आधार क्या होना चाहिए, यह तय करने का अधिकार राज्यों को दिया गया है।
- जजों ने कहा कि सब कैटेगरी बनाते समय क्रीमीलेयर को भी ध्यान में रखना होगा।

तो जीत अर्थव्यवस्था की होती है..

जस्टिस गवई ने कहा कि सब-कैटेगरी का आधार ये है कि एक बड़े समूह में से एक ग्रुप को अधिक भेदभाव का सामना करना पड़ता है। उन्होंने आंबेडकर का एक बयान पढ़ा, जो कहता है कि इतिहास बताता है कि जब नैतिकता का सामना अर्थव्यवस्था से होता है, तो जीत अर्थव्यवस्था की होती है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने 6-1 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए कहा कि हम मानते हैं कि सब कैटेगरी की अनुमति है लेकिन जस्टिस बेला माधुर्य त्रिवेदी ने इससे असहमति जताई।

क्या था 04 का सुप्रीम फैसला ?

2004 के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि राज्यों के पास आरक्षण देने के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की सब कैटेगिरी करने का अधिकार नहीं है। दरअसल, 1975 में पंजाब सरकार ने आरक्षित सीटों को दो श्रेणियों में विभाजित करके अजा के लिए आरक्षण नीति पेश की थी। एक बाल्मीकि और मजहबी सिखों के लिए और दूसरी बाकी अनुसूचित जाति वर्ग के लिए, 30 साल तक ये नियम लागू रहा फिर पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट पहुंचा। चिन्नैया फैसले में कहा गया था कि एससी श्रेणी के भीतर सब कैटेगिरी की अनुमति नहीं है. क्योंकि यह समानता के अधिकार का उल्लंघन है।

सीएम हाउस में गुंडे को रखने की क्या जरूरत

मालीवाल कांड पर कोर्ट सख्त

नई दिल्ली, एजेंसी।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के करीबी सहयोगी बिभव कुमार द्वारा दायर जमानत याचिका पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान जज ने तीखी टिप्पणी की। बिभव पर पार्टी सांसद स्वाति मालीवाल पर हमले का आरोप है। जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान कोर्ट ने बिभव को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि आपको एक महिला से ऐसा बर्ताव करते शर्म नहीं आई? जिस तरह से चीजें घटित हुई हैं, उससे हम स्तब्ध है। क्या सीएम का बंगला निजी आवास है? क्या ऐसे गुंडों को रखने के लिए उस कार्यालय की आवश्यकता है?

अभिषेक मनु सिंघवी ने बिभव की पैरवी करते हुए कहा कि एफआईआर तीन दिन बाद दर्ज कराई गई। पहले मालीवाल थाने गई लेकिन बिना एफआईआर दर्ज कराए लौट गईं। जिस आदेश को हमने चुनौती दी है उसके बाद चार्जशीट दाखिल हुई है।

सीएम ने महिलाओं को भेजा राखी का शगुन

बैंक खाते में 250 रू ट्रांसफर किए

भोपाल/सतना, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज धार्मिक नगरी चित्रकूट से लाड़ली बहनों को रक्षा बंधन की सौगात दी। उन्होंने प्रदेशभर में रक्षाबंधन महोत्सव की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने लाड़ली बहना योजना के तहत पंजीकृत महिलाओं को 250 रुपए की अतिरिक्त राशि ट्रांसफर की। यह हर महीने मिलने वाली 1250 रू के अतिरिक्त है। दरअसल रक्षाबंधन महोत्सव के तहत प्रदेश के सभी जिलों में लाड़ली बहनों से संबंधित आयोजन हो रहे हैं। अन्य जिलों में प्रदेश सरकार के मंत्री शामिल होंगे। इस कार्यक्रम के बाद सीएम यादव चित्रकूट में ही उद्यमिता परिसर के विवेकानंद सभागार में चित्रकूट यूनेस्को जियो पार्क स्थापना की कार्यशाला में भी शामिल हुए और यहां से वे अपरांह में सिंगरौली जिले के चितरंगी रवाना हो जाएंगे।

फाइल फोटो

पूर्व विधायक नजरबंदः उधर रैगांव की पूर्व विधायक कल्पना वर्मा को पुलिस ने आज सीएम के दौरे के मददेनजर घर में नजरबंद कर लिया। पुलिस को आशंका थी कि वे झंडापुर के आदिवासी परिवारों की समस्याओं के मामले में विरोध प्रदर्शन कर सकती हैं।

आज पेरिस ओलिंपिक में 18 गोल्ड दांव पर

पेरिस, एजेंसी। गुरुवार को पेरिस ओलिंपिक में राइफल शूटर स्वप्निल कुसले भारत की उम्मीद होंगे। वे 50 मी. राइफल थ्री पोजिशन की मेंस कैटेगरी का फाइनल खेलेंगे। इसके अलावा बॉक्सर निखत जरीन प्री-क्वार्टर फाइनल मैच खेलेंगी। भारत अब तक शूटिंग में 2 ब्रॉन्ज ही जीत सका है। वहीं बैडमिंटन के मेंस डबल्स में सात्विक-चिराग की भारतीय जोड़ी का सामनाा मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक से होगा। दूसरी ओर बुधवार को बैडमिंटन की मेंस डबल्स कैटेगरी के ड्रॉ जारी हुए हैं। शिफ्ट कौर समारा और अंजुम मौदगिल इसी इवेंट की विमेंस कैटेगरी के क्वालिफिकेशन राउंड में हिस्सा लेंगे। बैडमिंटन में भारत को महिला एकल खिलाड़ी पीवी सिंधू और युवा पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन से काफी उम्मीदें हैं। दोनों ही भारतीय शटलरों ने पेरिस ओलंपिक में बुधवार को शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अपने-अपने वर्ग में प्री-क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली।

मेट्रो एंकर

अब जयपुर में बेसमेंट हादसा, 3 मौतः बारिश की वजह से जयपुर में भी दिल्ली जैसा हादसा हुआ है. यहां विश्वकर्मा इलाके में बेसमेंट में बारिश का पानी भर गया, जिसकी वजह से तीन लोगों की मौत हो गई।

आफत की बरसात, हिमाचल में बादल फटा 51 लापता, केरल में मौत का आंकड़ा 275

नई दिल्ली, एजेंसी।

जबर्दस्त बारिश के चलते देश के डेढ दर्जन राज्यों में हाहाकार मच गया है। केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन के बाद यहां के चार गांव पूरी तरह साफ हो गए। इस आपदा के कारण अभी तक 275 लोगों की मौत हो चुकी है। कई अभी भी मलबे में दबे हैं। उधर हिमाचल में बादल फटने से 51 लोग लापता हैं, कई के शव भी मिले हैं।

केरल में अब तक 3 हजार लोगों को रेस्क्यू किया गया है। भारी बारिश के बीच कीचड़, चट्टानों और पेड़ों के बड़े-बड़े टुकड़ों की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। मुंडक्कई के बीच ढहे पुल को सेना के जवान फिर से बनाने में जुटे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी नई दिल्ली से वायनाड पहुंच गये हैं। वह अपने पूर्व संसदीय क्षेत्र की स्थिति का जायजा ले रहे हैं। उनके साथ प्रियंका गांधी भी हैं। दोनों भूस्खलन से प्रभावित परिवारों से मुलाकात करेंगे। उधर दिल्ली में कल रिकार्डतोड़ बारिश के बाद आज भी भारी बारिश का अनुमान है। हिमाचल में कुल्लू और शिमला जिले के करीब बादल फटा है, इसमें करीब 51 लोग लापता बताए जा रहे हैं और 9 लोगों की मौत हो गई है। उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल और केरल के वायनाड में भी बादल फटने की घटना हुई है। कुल्लू के रामपुर क्षेत्र के समेज स्थित पॉवर प्लांट प्रोजेक्ट के कई लोग बादल फटने के बाद से लापता हैं. 20 से ज्यादा मकान जमींदोज हो गए हैं और कई गाड़ियां बह गईं हैं, स्कूल भी बाढ़ में बह गया।

केंद्र से अलर्ट नहीं मिला

इधर केरल के सीएम विजयन ने कहा- जब ऐसा कुछ होता है, तो आप दूसरों पर दोष मढ़कर जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। मौसम विभाग ने त्रासदी से पहले एक बार भी रेड अलर्ट जारी नहीं किया।

मप्र में भी मजबूत सिस्टम

मौसम विभाग के अनुसार मप्र में साइक्लोनिक सर्कुलेशन और मानसून ट्रफ लाइन की एक्टिविटी स्ट्रॉन्ग हो गई है। ऐसे में अगस्त के पहले सप्ताह में तेज बारिश का दौर चलेगा। जून-जुलाई में जो जिले बारिश के आंकड़ों में पिछड़ गए, वे आगे निकल जाएंगे।

आज का कार्टून

बस डिपो की हालत खस्ता

राजधानी में हो रही लगतार तेज बारिश से सड़कें कीचड़ से सराबोर हो गई। वहीं बैरागढ़ आईएसबीटी बस डिपो की हालत खस्ता है। वहां समझ में नहीं आ रहा है कि सड़कों में पानी है या पानी में सड़कें है। साथ ही पूरे नगर की बिजली गुल होने का सिलसिला भी जारी है जिससे लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सरकार न तो एजेंसी की जिम्मेदारी तय कर पाई और न ही ठेकेदार पर कार्रवाई

डेढ़ महीने पहले बनी एम्स-नर्मदापुरम सड़कों की हालत खराब

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बारिश के बीच शहर की सड़कों की हालत खराब है। खासकर उन सड़कों का उखड़ जाना भ्रष्टाचार की परत खोलता है जिन्हें डेढ़ से दो महीने पहले ही बनाया गया था। इनमें सावरकर सेतु से एम्स के सामने से होते हुए बरखेड़ा पठानी जाने वाली और इसी सेतु से मिसरोद की ओर जाने वाली प्रमुख सड़कें भी शामिल है। जिन पर डामर की परत चढ़े अभी चंद दिन ही हुए हैं और ये सड़कें उखड़ चुकी है। जब पानी बरसता है तब इनमें कहां गढ्डे है और कहां सड़क यह पता नहीं चलता और बारिश के थमने के बाद तो धूल के गुब्बार जैसी स्थिति बन जाती है।

चेहरे बदले स्थिति नहीं

लोगों का कहना है कि पूर्व में सरकार के जो जिम्मेदार थे तब भी शहर में बारिश के दौरान यही स्थिति बनती थी और अब भी यही स्थिति बन चुकी है। कामकाज में कोई बदलाव ही देखने को नहीं मिल रहे हैं। सड़क, बिजली, पानी जैसी सुविधाओं के लिए भी नागरिकों को परेशान होना पड़ रहा है।

खराब सड़कों ने आंखों में जलन की शिकायतें बढ़ाई

शहर में खराब हुई सड़कों ने आंखों में जलन और खुजली जैसी शिकायतें बढ़ा दी है। यह परेशानी दो पहिया और पैदल चलने वालों के साथ बन रही है। यही नहीं, इन क्षेत्रों में रहने वाले लोग भी इस तरह की शिकायतों से परेशान हैं और एम्स, हमीदिया में मरीजों की संख्या बढ़ गई है।

हादसे बढ़े, जिम्मेदार कोई नहीं: सड़कों पर गिट्टी निकलने के कारण रोज लोग फिसलकर दुर्घटनाओं के शिकार हो रहे हैं। यह शिकायतें शहर में हर तरफ से आ रही है। जिसमें लोगों को गंभीर चोटें भी लग रही है। लेकिन जिम्मेदारी लेने वाले कोई नहीं हैं।

भेल क्षेत्र में नालियां चोक, गंदगी और बदबू से बीमार पड़ रहे लोग

सुनवाई नहीं, हालत बिगड़े तो संभालना होगा मुश्किल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भेल के कई क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की हालत खराब है। नालियां चोक है, जिसकी वजह से पानी पास नहीं हो रहा है। कई क्षेत्रों में तो सीवेज ओवर फ्लो हो रहा है, जिसके कारण बदबू जैसा माहौल बन गया है। रेलवे के नर्मदा क्लब के पीछे कस्तूरबा अस्पताल से सटे क्षेत्रों में यह हालत है। बाकी क्षेत्रों में भी जल भराव व पानी थमने के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। आने वाले दिनों में डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का प्रकोप बढ़ना तय बताया जा रहा है। भेल क्षेत्र में रहने वाले दिनेश त्यागी का कहना है कि भेल प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा है और निगम को चिंता नहीं है। जबकि वोट की भारी आती है तो सब दौड़े चले आते हैं। बारिश में जाए भी तो कहां जाए, क्योंकि मध्यम परिवारों के पास कोई दूसरा विकल्प भी नहीं है। यह बात अफसरों के समझ में नहीं आ रही है, परेशान किया जा रहा है। इसी क्षेत्र में रहकर मूर्ति बनाने वाली इंदिरा बाई का कहना है कि अब तो कस्तूरबा से मेट्रो लाइन के बीच कोई भी गुजरने वाले आम राहगीर बता सकते हैं कि क्षेत्र की राहत क्या है, राहगीरों को नाक दबाकर निकलना पड़ रहा है, व्यवस्था इस कदर सोई हुई है। लोगों की जानमाल की चिंता ही नहीं है।

मप्र मानव अधिकार आयोग

दमकल विभाग में दिव्यांगों के लिए 174 पद!

नगर निगम आयुक्त को जांच के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने भोपाल नगर निगम में दमकल विभाग में निकाली गई भर्ती में दिव्यांगों के लिए पद रखने के मामले में संज्ञान लेते हुए नगर निगम आयुक्त को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही आयोग ने दिव्यांगों के अधिकारों को संरक्षित करते हुए भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित किये जाने के संबंध में प्रतिवेदन मांगा है। आयोग के संज्ञान में आया है कि, भोपाल शहर के नगर निगम द्वारा लीडिंग फायरमैन, फायरमैन समेत दमकल विभाग में अन्य पदों के लिये जो भर्ती निकाली है, उसमें 174 पद दिव्यांगों के लिये भी रखे है। भर्ती विज्ञापन के अनुसार दिव्यांगों को फील्ड पोस्टिंग देने की तैयारी है। इस संबंध में फायर एक्सपर्ट का कहना है कि इससे जान का जोखिम है।

आउटसोर्स कर्मियों का वेतन नहीं मिला

प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग में कार्यरत आउटसोर्सिंग कम्प्यूटर ऑपरेटर को तीन महीने से वेतन नहीं मिलने का मामला सामने आया है। राजधानी भोपाल में ऐसे 52 से अधिक ऑपरेटर है, जो कि वेतन के लिये अधिकारियों के चक्कर काट रहे है। वेतन नहीं मिलने के कारण आउटसोर्स कर्मियों को आर्थिक संकट से जूझना पड़ रहा है। मामले में संज्ञान लेकर आयोग ने संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल से मामले की जांच कराकर आउटसोर्स कर्मियों को नियमित रूप से समय पर वेतन का भुगतान, ईपीएफ कटौती एवं अन्य विधिक सुविधाओं के सम्बन्ध में प्रतिवेदन एक माह में मांगा है।

दिनचर्या में सुधार ही, अच्छे स्वास्थ्य की ओर पहला कदम हैं : टेवानी

दस दिवसीय शिविर का समापन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

प्राकृतिक चिकित्सा आरोग्य केन्द्र में बुधवार को दस दिवयीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर का समापन हुआ, अनुभव सत्र में डॉ. गुलाब राय टेवानी ने शिविर के बारे में बताया और निरोगी रहने के सूत्र दिए। टेवानी न बताया कि यह 125वां शिविर है, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से आए 80 साधक-साधिकाओं ने अपनी शारीरिक दिक्कतों से राहत महसूस की है। शिविर में डिप्रेशन, डायबिटीज, हायपोथायरायडिज्म, कब्ज, ऑस्टियो आर्थराइट्स, हाइपर टेंशन, मोटापा, पॉजीटिव प्रमोशन इन हेल्थ, गैस्ट्राइटिस, इनसोमनिया, माइग्रेन, हाइपर कोलेस्ट्रोलेमिया, अस्थमा, लम्बर स्पॉन्डिलाइटिस, साइटिका और फ्रोजन शोल्डर की परेशानी का इलाज किया गया

है। डॉ टेवानी ने कहा शिविर का उद्देश्य कैसे आहार को औषधि बनाया जाए, ना कि औषधि को आहार बनाए। हैं। आपने स्वंय अनुभव किया है यदि सदैव स्वस्थ रहना हैं और स्थायी स्वास्थ्य लाभ लेना हैं तो प्राकृतिक चिकित्सा के अलावा दूसरा कोई मार्ग नहीं हैं। अनुभव सत्र में शिविरार्थियों ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि उन्हें दस दिनों में ही बी.पी., डायबीटिज, घुटनों के दर्द, हाथों पैरों के दर्द, अर्थराइटिस, साइनस, सरवाइकल स्पोंडिलाइटिस में काफी आराम हुआ है। डॉ. रमेश टेवानी आहार के टिप्स दिए। आगामी कैम्प 02 से 11अगस्त 2024 को आयोजित किया जाएगा।

15 अगस्त को देशभक्ति गीतों पर परफॉर्म करेंगी पलक

भोपाल । 15 अगस्त को शाम रवींद्र सभागार में आयोजित आजादी का महापर्व कार्यक्रम में प्रख्यात गायिका पलक-पलाश मुछाल साथी कलाकारों के साथ देशभक्ति गीतों पर प्रस्तुति देंगी। आयोजक स्वराज संस्थान संचालनालय का कहना है कि कार्यक्रम में प्रवेश प्रथम आएं प्रथम पाएं आधार पर रहेगा। पलक मुछाल ने वर्ष 2011 में फिल्म दमादम में गीत गाकर अपने करियर की शुरुआत की। एक था टाइगर, आशिकी-2, फ्राम सिडनी विथ लव, गब्बर इज बैक समेत कई फिल्मों में गीत गाए हैं।

छात्र संघ चुनाव : साधु वासवानी के हैड ब्वॉय अभिषेक और मुकिता के लक्की बने

हिरदाराम नगर। सुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी और मुकिता इंटरनेशनल स्कूल में छात्र परिषद के चुनाव के लिए मंगलवार को वोट डाले गए। साधु वासवानी स्कूल के हैड ब्वॉय अभिषेक बघेल और मुकिता इंटरनेशनल स्कूल हैड ब्वॉय लक्की गोवानी चुने गए। वोटिंग से पहले शिक्षाविद विष्णु गेहानी ने कहा कि छात्र परिषद प्रजातांत्रिक की सीढ़ी है, जिसके तहत हम चुनाव करवाते हैं। विद्यालय में चुनाव का उद्देश्य बच्चों को चुनाव प्रक्रिया का ज्ञान करवाना तथा विद्यालय से उनकी भागीदारी जोड़ना है इससे विद्यार्थियों को स्कूल के प्रति अपने कर्तव्य एवं दायित्व का बोध होता है। विद्यालय में प्रजातांत्रिक प्रणाली द्वारा मतदान करवाया गया, जिसमें विद्यार्थियों को मत देने हेतु पर्चियां बांटी गयी जिसे देखकर मत डलवाया गया, साथ ही मतपत्र में विद्यार्थी उम्मीदवार का नाम छायाचित्र कक्षा तथा चुनाव चिन्ह दर्शाया गया था, इस प्रक्रिया में वोटिंग लिस्ट व उंगली पर इंक प्रक्रिया की व्यवस्था की गई थी, चार वोटिंग बूथ बनाये गए थे जिसमें सुविधानुसार विद्यार्थी मतपत्र पर सील लगाकर योग्य उम्मीदवार को वोट दे रहे थे, इस प्रक्रिया में 600 विद्यार्थी उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर

नई छात्राओं के लिए 15 दिनी इन्डक्शन कार्यक्रम

व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक विकास के टिप्स दिए

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय ने बीबीए और बीसीए प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए इन्डक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य नवीन छात्राओं को उनके शैक्षणिक यात्रा में सहजता से प्रवेश दिलाना और व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक विकास को प्रोत्साहित करना था।

इन्डक्शन कार्यक्रम का आरंभ मनीष केन के वक्तव्य के साथ हुआ। 15 दिनों में छात्राओं ने विभिन्न विषयों पर सत्रों में भाग लिया। इनमें व्यक्तित्व विकास और नेतृत्व गुण पर फातिमा खान, ट्रेनर, जीटीटी फाउंडेशन, फिनटेक पर सीए निखिल नेनवानी, पावर ड्रेसिंग पर सुश्री मायरा केसवानी, फैशन विशेषज्ञ, उद्यमी कैसे बने पर अक्षी सिंह, निदेशक, डिज़ाइन सेंस,

अंग्रेजी संचार पर पूर्वा बत्रा, यूनिवर्सिटी ऑफ डरहम, स्वास्थ्य और कल्याण पर प्रोफेसर विभा खरे, खाद्य एवं पोषण विभाग, एसएचजीसी, क्लासरूम से क्यूबिकलतक, अंतर व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक सफलता, समेकित व्यक्तित्व विकास और लक्ष्य निर्धारण पर डॉ. नरेश शर्मा, संकाय सदस्य, आईबीएस अहमदाबाद ने अपनी बात रखी।

वित्तीय साक्षरता पर डॉ. अनादी मिश्रा, रीडर, प्रशासन अकादमी, भोपाल, डिजिटल मार्केटिंग पर राम नाथ नरेटे, एमडी, ऑनप्राइसटेक इंफोटेक लिमिटेड, इंटरनेट बेसिक्स और साइबर सुरक्षा पर प्रोफेसर कंचन चतुर्वेदी, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, एसएचजीसी, सफलता का मंत्र पर श्री रवि वर्मा, एमिटी यूनिवर्सिटी, जयपुर, प्रौद्योगिकी में रुझान और नवाचार पर गौरव नेमा, संस्थापक और सीओओ, इनोबिम इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड, नया अपराध कानून पर सुचित्रा वर्मा, एडीपीओ, एम.पी. पुलिस, भोपाल विषय विशेषज्ञ के रूप में अपनी बात रखी। सत्रों के साथ कार्यक्रम में वरिष्ठ और पूर्व छात्राओं के साथ संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिससे छात्राओंको अपने पूर्ववर्तियों से अंतर्दृष्टि और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। सत्र में क्षेत्रीय यात्राओं के अनुभव को और समृद्ध करते हुए, बीसीए प्रथम वर्ष की छात्राओं ने क्रिस्प, भोपाल और बीबीए प्रथम वर्ष की छात्राओं ने वर्धमान टेक्सटाइल, भोपाल उद्योग स्थलों का दौरा किया।

कार्यक्रम के अंतिम दिन आयोजित समापन सत्र में डॉ. विनय स्वरूप मेहरोत्रा, प्रोफेसर और पाठ्यक्रम विकास एवं मूल्यांकन केंद्र और अंतर्राष्ट्रीय संबंध केंद्र के प्रमुख, पीएसएस सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन (पीएसएससीआईवीई) ने भाग लिया। डॉ. मेहरोत्रा ने इस पहल की प्रशंसा की और छात्रों के भविष्य को आकार देने में ऐसे कार्यक्रमों के महत्व पर जोर दिया।

संत कॉलेज की प्राचार्या डॉ डालिमा पारवानी ने छात्राओं को पढ़ने की आदत विकसित करने, अपने संचार कौशल को बढ़ाने, दूसरों का अभिवादन करने, समय का सद्पयोग और महाविद्यायलय में नियमितता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर...

संस्कार विद्यालय में हर मंगलवार को होने वाली संगीतमय हनुमान चालीसा प्रार्थना सभा में हुई। बच्चों समाजसेवियों एवं विशिष्ठजनों ने हनुमान लला की वंदना की। संस्था के सचिव बसंत चेलानी, थोक वस्त्र व्यवसाय संघ के उपाध्यक्ष दिनेश वाधवानी, कोषाध्यक्ष श्री चन्दर नागदेव, समाजसेवी माधवदास पारदासानी, पुरूषोत्तम बबलू शर्मा, कमल प्रेमचन्दानी एवं एक हजार बच्चों के साथ चालीसा का पाठ किया। वाधवानी ने विद्यार्थियों को पेन वितरित किए।

देश और परिवारों की
आधार स्तंभ हमारी प्रिय बहनों को
सशक्त और स्वावलंबी जीवन की
अनंत शुभकामनाएं
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
भैया मोहन यादव का
लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन के पावन पर्व का उपहार
◆ हर बहन को ₹ 1250 के अतिरिक्त राखी शगुन के ₹ 250
◆ ₹450 में सस्ते गैस रीफिल की मिलती रहेगी सौगात
प्रदेश स्तरीय
आभार सह-उपहार कार्यक्रम
शुभारंभ
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव
द्वारा
1 अगस्त, 2024
पूर्वाह्न 11:00 बजे
सतना
अपराह्न 4:00 बजे
सिंगरौली
"बहनों के आंगन में खुशियां बिखरी रहें, आत्मसम्मान और आत्मविश्वास बना रहे। इस संकल्प को पूरा करने के लिए हमारी सरकार निरंतर अपने कर्तव्य का पालन करती रहेगी।"
- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
अन्य जिलों में कार्यक्रम
3 अगस्त - दमोह, नरसिंहपुर
5 अगस्त - बालाघाट, मंडला, बैतूल
10 अगस्त - श्योपुर, टीकमगढ़
17 अगस्त - अनूपपुर, डिंडौरी
• मुख्यमंत्री देंगे लाड़ली बहनों को 'उपहार संदेश' एवं 'आभार पाती'
• 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत होगा पौधारोपण
• सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन
D-11039/24
सीधा प्रसारण
Webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
मध्यप्रदेश शासन

संपादकीय

रेल सुरक्षा के दावे

रेलवे का दावा है कि अनेक मार्गों पर कंप्यूटरीकृत संचालन प्रणाली लगा दी गई है। पटरियां बदलने और संकेतक आदि के लिए आधुनिक उपकरण लगा दिए गए हैं। मगर देखा गया है कि इनके ठीक से काम न करने या इनका संचालन ठीक से न किए जाने के कारण ही अक्सर हादसे हो जाते हैं। रेल हादसों पर विराम लगाने के दावे तो खूब बढ़-चढ़कर किए जाते हैं, पर हकीकत यह है कि इनमें लगातार बढ़ोतरी ही देखी जा रही है। पिछले एक वर्ष में कई गंभीर रेल दुर्घटनाएं मामूली सावधानियां न बरती जा सकने की वजह से हो गईं। अभी मुंबई से हावड़ा जा रही गाड़ी के अठारह डिब्बे झारखंड के चक्रधरपुर में इसलिए पटरी से उतर गए कि चालक को अचानक ब्रेक लगाना पड़ा। वह गाड़ी जिस रास्ते से आ रही थी, वहां पहले ही एक मालगाड़ी पटरी से उतर चुकी थी। अब रेल मकमा इस बात की जांच कर रहा है कि मुंबई-हावड़ा मेल के चालक को मालगाड़ी पलटने के बारे में सूचना दी गई थी या नहीं। गनीमत है कि इस हादसे में बहुत बड़ा नुकसान नहीं हुआ। दो लोगों की मौत और आठ लोगों के घायल होने की सूचना है। अठारह बोगियों के पटरी से उतरने का मतलब है कि यह हादसा और बड़ा हो सकता था। पिछले वर्ष ओड़ीशा के बालासोर में तीन गाड़ियों के टकराने से हुए हादसे के वक्त से गाड़ियों के चालन में सुरक्षा उपायों को चुस्त बनाने पर जोर दिया जा रहा था। मगर उसके बाद भी एक के बाद एक कई बड़े हादसे हो गए। पिछले एक महीने में ही तीन बड़े हादसे हो गए। रेल हादसों की वजहें किसी से छिपी नहीं हैं। हर बार यह संकल्प दोहराया जाता है कि जल्दी ही हर गाड़ी में टक्करोधी उपकरण लगा लिए जाएंगे, जिससे हादसों पर रोक लग सकेगी। मगर लगातार हो रहे हादसों की प्रकृति को देखते हुए यह दावा नहीं किया जा सकता कि अकेले टक्करोधी उपकरण से इस समस्या पर पूरी तरह अंकुश लग पाएगा। एक तरफ तो हम तेज रफ्तार और सुविधाजनक गाड़ियां चला कर हवाई सेवाओं पर बढ़ते बोझ को कम करने का दावा करते हैं, दूसरी तरफ पटरियों और संचालन प्रणाली पर अपेक्षित ध्यान नहीं दे पाते। यह भी छिपी बात नहीं है कि रेल सेवाओं में बेहतरी के दावों के बीच इस पर अपेक्षित खर्च नहीं हो पाता। रेल की ज्यादातर पटरियां पुरानी हो चुकी हैं, उन पर गाड़ियों का बोझ लगातार बढ़ते जाने की वजह से वे खतरनाक साबित होती हैं। उन्हीं पटरियों पर तेज रफ्तार गाड़ियां भी चलाने की कोशिश की जा रही है। विचित्र यह है कि मौजूदा रेल मंत्री के कार्यकाल में लगातार हादसों के बावजूद उनकी सेहत पर मानो कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। देश के करोड़ों लोग आज भी रेलों पर ही निर्भर हैं। माल ढुलाई का बड़ा हिस्सा रेलों से होता है। ऐसे में रेल मार्गों को सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने की अपेक्षा स्वाभाविक है। मगर निजी कंपनियों को जिम्मेदारी सौंप कर सरकार स्टेशनों के सौंदर्यीकरण पर ही जोर देती अधिक नजर आती है। पटरियों और रेल संचालन के आधुनिकीकरण को लेकर उतनी गंभीर नहीं है। इसी की वजह से खुद रेलवे को हर वर्ष बड़ी संपत्ति का नुकसाना उठाना पड़ता है।

मंशा तो अच्छी है...

युवा आबादी में देश को वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनाने की क्षमता, *उम्मीदों की इंटर्नशिप योजना*

■ पत्रलेखा चटर्जी

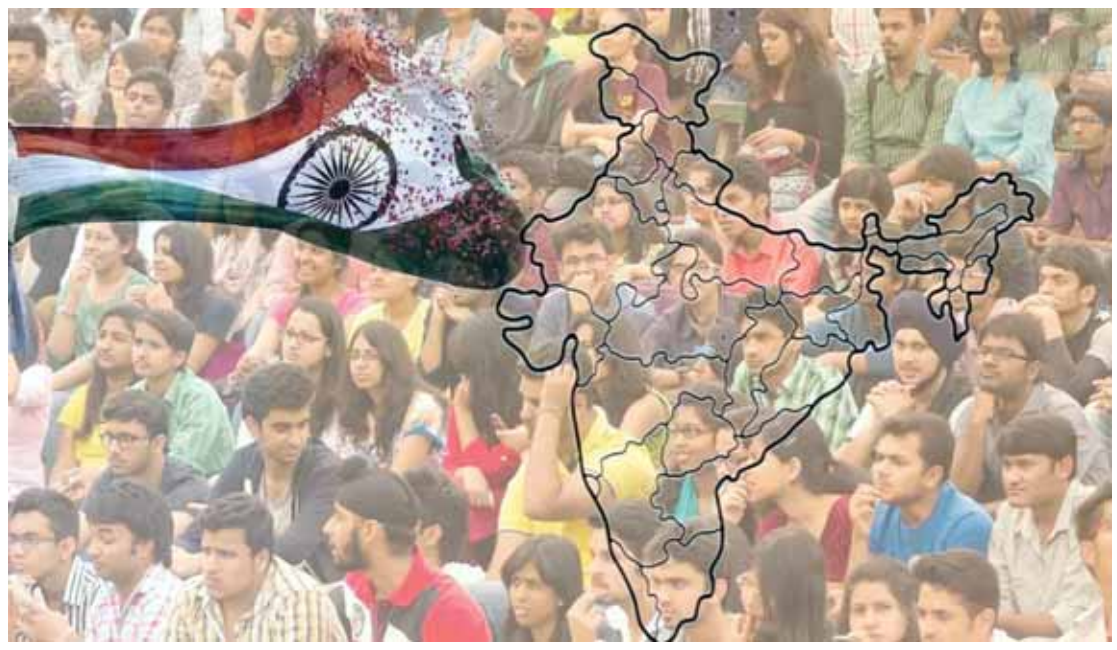

यह कोई रहस्य नहीं है कि भारत की युवा आबादी में देश को वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनाने की क्षमता है। 65 फीसदी से ज्यादा भारतीय 35 वर्ष से कम उम्र के हैं। भारतीयों की औसत आयु मात्र 28 वर्ष है। यह भी किसी से छिपा नहीं है कि इस संभावित गतिशील, युवा कार्यबल को एक बड़ी बाधा का सामना करना पड़ता है- कौशल का अंतर, जो नियोक्ता द्वारा कर्मचारियों से अपेक्षित कौशल और कर्मचारियों के पास वास्तव में मौजूद कौशल के बीच की असमानता को बताता है। भारत के लाखों युवक-युवतियों के पास, जिनमें औपचारिक डिग्रीधारी भी शामिल हैं, देश में या उसके बाहर आज के गतिशील कार्यस्थल के लायक जरूरी कौशल का अभाव है, चाहे वह विनिर्माण का क्षेत्र हो या सेवा का। भारत की उन्नति तभी होगी, जब उसका कार्यबल तेजी से बदलते कामकाज की दुनिया में कार्य करने के लिए तैयार हो। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डाटा, डाटा एनालिटिक्स और साइबर सुरक्षा तेजी से भविष्य के मुख्य कौशल बनते जा रहे हैं। इसके अलावा, विश्लेषणात्मक सोच, नेतृत्व क्षमता, संकट प्रबंधन और टीम के साथ मिलकर काम करने का हुनर भी महत्वपूर्ण है।

बेशक कुछ सम्मानजनक अपवाद हैं, लेकिन अब भी भारत की शिक्षा प्रणाली व्यापक स्तर पर रटने पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करती है, जिससे युवा लोग कार्य की बदलती दुनिया के लिए अयोग्य साबित होते हैं। इसमें बदलाव की जरूरत है, और इसके लिए व्यापक तौर पर फिर से प्रतिभा को तराशने और पुनर्कौशल की जरूरत है। यह सब नरेंद्र मोदी सरकार के केंद्रीय बजट-2024 में प्रस्तावित नई इंटर्नशिप योजना के लिए प्रासंगिक हैं। कौशल पर ऐसे समय में जोर दिया गया है, जब 2023-24 के आर्थिक सर्वेक्षण में पाया गया है कि कॉलेज से निकलने वाले दो में से लगभग एक स्नातक रोजगार के योग्य नहीं है। आर्थिक सर्वेक्षण में बताया गया है कि, अनुमानों से पता चलता है कि लगभग 51.25 फीसदी युवा ही रोजगार के योग्य माने जाते हैं। यानी कॉलेज से निकलने वाले लगभग दो में से एक युवा अभी रोजगार के लिए तैयार नहीं माने जाते हैं। हालांकि यह ध्यान देने योग्य है कि पिछले दशक में यह आंकड़ा 34 फीसदी था, जो बढ़कर 51.3 फीसदी हो गया है। सर्वेक्षण में यह भी कहा गया है कि2030 तक सालाना औसतन लगभग 78.5 लाख नौकरियां पैदा करने की जरूरत है।

बजट में प्रस्तावित इंटर्नशिप योजना को लेकर लोगों में दिलचस्पी बढ़ी है। इस योजना का लक्ष्य 500 शीर्ष भारतीय कंपनियों के माध्यम से पांच साल में एक करोड़ युवाओं को कौशल प्रदान करना है। इसका लक्ष्य 21 से 24 वर्ष के वैसे युवा हैं, जो न तो कहीं नौकरी करते हैं और न ही जिन्होंने पूर्णकालिक शिक्षा हासिल की है। आईआईटी, आईआईएम, आईआईएसईआर और चार्टर्ड एकाउंटेंसी कॉलेज के स्नातक इसके योग्य नहीं हैं। अधिकांश लागत सरकार खुद वहनकरेगी, लेकिन संगठनों को अपने सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी) फंड से इसमें योगदान देना जरूरी है। इस योजना पर नजर डालने से पता चलता है कि इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में से प्रत्येक को पांच वर्ष में 20,000 युवाओं को इंटर्नशिप कराना होगा, यानी हर साल 4,000 युवाओं को। प्रशिक्षुओं को प्रति माह 5,000 रुपये इंटर्नशिप भत्ता और 6,000 रुपये की एकमुश्त सहायता राशि देनी होगी। कंपनियों से अपेक्षा है कि वे अपने सीएसआर फंड से प्रशिक्षण लागत और इंटर्नशिप लागत का 10 फीसदी वहन करें।

कौशल पर ऐसे समय में जोर दिया गया है, जब 2023-24 के आर्थिक सर्वेक्षण में पाया गया है कि कॉलेज से निकलने वाले दो में से लगभग एक स्नातक रोजगार के योग्य नहीं है। आर्थिक सर्वेक्षण में बताया गया है कि, अनुमानों से पता चलता है कि लगभग 51.25 फीसदी युवा ही रोजगार के योग्य माने जाते हैं। यानी कॉलेज से निकलने वाले लगभग दो में से एक युवा अभी रोजगार के लिए तैयार नहीं माने जाते हैं। हालांकि यह ध्यान देने योग्य है कि पिछले दशक में यह आंकड़ा 34 फीसदी था, जो बढ़कर 51.3 फीसदी हो गया है। सर्वेक्षण में यह भी कहा गया है कि2030 तक सालाना औसतन लगभग 78.5 लाख नौकरियां पैदा करने की जरूरत है...

यकीनन यह एक महत्वाकांक्षी योजना है। लेकिन अभी तक इसके बारे में पूरी जानकारी नहीं है और योजना के बारे में जवाबों से ज्यादा सवाल हैं। सरकार ने इस पर जोर दिया है कि यह योजना स्वैच्छिक है, जिसका मतलब है कि किसी भी कंपनी को इसमें शामिल होने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि प्रस्तावित योजना में किन 500 कंपनियों का संदर्भ दिया जा रहा है। एक कंपनी के मानव संसाधन (एचआर) प्रमुख ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, हालांकि सरकार का रोजगार सृजन का इरादा सही दिशा में है, लेकिन एक साल में संख्या को 500 से बढ़ाकर 4,000 तक पहुंचाना हमारे लिए मुश्किल होगा।% एक और चिंता यह है कि यदि इंटर्न नौकरी छोड़ देता है या कंपनी उसे बीच में ही हटा देती है, तो फंड का क्या होगा? एक और जरूरी बात है कि प्रभावी कौशल विकास के लिए एक मजबूत आधार की जरूरत होती है। अगर गांवों में रहने वाले लोगों सहित औसत भारतीयों के लिए बुनियादी शिक्षा की गुणवत्ता खराब रहती है, तो आधार कमजोर रहेगा। इसलिए बुनियादी शिक्षा पर भी उतना ही ध्यान देने की जरूरत है। प्रस्तावित इंटर्नशिप योजना की मंशा अच्छी है, लेकिन इसे और अधिक विस्तार से समझने की आवश्यकता है।

- साभार

निशाना

रहे इतना ध्यान !

- कृष्णेन्द्र राय

है सबको अधिकार ।
दें अपना बयान ।।
पर लगे ना ठेस ।
रहे इतना ध्यान ।।
है इतिहास गवाह ।
बढ़ता है विवाद ।।
कर देते हैं ज़ाहिर ।
अपना पर अवसाद ।।
बहस सकारात्मक तो ।
है बढ़ता संवाद ।।
उठती हैं जो बातें ।
हैं रहतीं वो याद ।।
धीरे-धीरे करके ।
है लाना बदलाव ।।
मिलेगा मुकाम और ।
पहुंचेंगे पड़ाव ।।

आज का इतिहास

- 1844 आग ने चार्लोट और उत्तरी केरोलिना के अमेरिकी टकसाल को नष्ट कर दिया।
- 1862 अमेरिकी शहर कैंटन में हरिकेन तूफान का कहर हुआ, जिसमें 40 हजार लोगों की मौत हुई।
- 1888 फिलिप प्राट ने पहला इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल का प्रदर्शन किया।
- 1888 फिलिप प्रैट के द्वारा पहला अमेरिकी बिजली से चलने वाला तिपहिया का निर्माण किया।
- 1908 हाँग काँग के टायफून ने यात्री स्टीमर यिंग किंग से 421 लोगों की जान गंवाई।
- 1914 फेलिक्स मैनलो ने फिलीपींस में एक स्वतंत्र, गैर ट्रिनिटेरियन ईसाई चर्च, आधुनिक इग्लेसिया नी क्रिस्टोरेलिजियन की स्थापना की।
- 1916 ब्रिटिश मार्जेन चार्ल्स फ्रायट को ब्रुग्स में मार डाला गया था, बेल्जियम के बाद कोर्ट-मार्शल ने उन्हें फ्रैंक-टायरर पाया।
- 1919 रेड समर-रेस के दंगे शिकागो में एक दक्षिण-पश्चिम समुद्र तट पर एक नस्लीय घटना के बाद भड़क उठे, जिसके कारण पांच दिन की अवधि में 38 घातक और 537 घायल हुए।
- 1921 टोरंटो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने फ्रेडरिक बैंटिंगप्रोवर्ड के नेतृत्व में कहा कि हार्मोन इंसुलिन रक्त शर्करा को नियंत्रित करता है।
- 1921 टोरंटो यूनिवर्सिटी के दो वैज्ञानिकों फ्रेडरिक बैंटिंग और चार्ल्स बेस्ट ने इंसुलिन नाम के हार्मोन को अलग करने में सफलता पाई।
- 1935 चीन के यांग जी और होआंग नदी में आई बाढ़ से दो लाख लोगों की मौत हुई।
- 1940 बग्स बनी ने एनिमेटेड कार्टून ए वाइल्ड हरे में शुरुआत की।

मित्रों का अविश्वास करना बुरा है, उनसे छला जाना कम बुरा है।
- राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर

गिद्धों पर संकट: इंसानी सेहत हेतु उपस्थिति जरूरी

■ अली खान

आज यह चिंताजनक बात है कि वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए जरूरी समझे जाने वाले गिद्धों की प्रजातियां बड़ी तेजी से खत्म हो रही हैं। गिद्धों के गायब होने के कारण पर्यावरण में रोगाणु अपने पांव पसार रहे हैं। जो इंसानों में घातक संक्रमण के साथ ही साथ जानलेवा भी साबित हो रहे हैं। दरअसल, स्वच्छ वातावरण के साथ इंसानों की जान को महफूज रखने के लिए गिद्धों की उपस्थिति को नितांत आवश्यक माना जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 1990 में गिद्धों की आबादी 4 करोड़ थी, जो अब मात्र 60 हजार रह गई है। गौरतलब है कि संकट में आए गिद्ध की प्रजातियां को 2022 में आईयूसीएन की रेड लिस्ट में डाल दिया गया। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक, 2000 से 2005 के बीच 5 लाख से अधिक लोगों की मौत ऐसे रोगाणुओं से हुई, जो मरे हुए पशुओं के शव से निकलकर संक्रमण फैलाने की वजह बने। जब इसके बारे में गहन शोध किया गया तो मालूम चला कि इसके पीछे की बड़ी वजह गिद्धों का गायब होना रहा।

हमें यह समझने की आवश्यकता है कि गिद्ध मुफ़्त पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं प्रदान करते हैं, जो पारिस्थितिकी तंत्र या वन्यजीवों द्वारा मानव कल्याण में किए जाने वाला योगदान है। मालूम हो, गिद्ध अनिवार्य मैला ढोने वाले होते हैं जो पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण, मिट्टी और पानी के दूषित पदार्थों को हटाने और बीमारियों के प्रसार को नियंत्रित करने जैसी पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उदाहरण के तौर पर ग्रिफ़ॉन गिद्ध जानवरों के शवों से प्राप्त बड़ी मात्रा में सड़ा हुआ मांस खाते हैं, जिससे खाद्य जाल के माध्यम से ऊर्जा का हस्तांतरण होता है। इनकी उपस्थिति जंगली कुत्तों जैसे अन्य वैकल्पिक मैला ढोने वालों की आबादी को नियंत्रित करके बीमारियों के संचरण को सीमित करने में मदद कर सकती

है। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि गिद्ध हमारे पर्यावरण को स्वच्छ और सुरक्षित बनाए रखने में सहायक हैं। हमें यह भी समझने की नितांत आवश्यकता है कि गिद्धों की आबादी और प्रजाति पर विद्यमान संकट कहीं न कहीं पारिस्थितिकी से जुड़ा संकट है। यदि समय रहते गिद्धों के संरक्षण के लिए प्रयास नहीं किए गए तो भविष्य में गिद्ध प्रजाति की शुमारी विलुप्त प्रजाति में होगी। जो स्वाभाविक रूप से हमारी चिंताओं में इजाफा करेगी। लिहाजा, गिद्धों के संरक्षण के लिए तत्काल कदम उठाए जाने की आवश्यकता है।

दरअसल, गिद्ध पक्षी से आम-आदमी परिचित है। इन्हें मुर्दाखोर पक्षी के नाम से भी जाना जाता है। इनकी सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि ये भोजन की तलाश करते समय लंबी दूरी तय करने की अपनी अविश्वसनीय क्षमता के लिए जाने जाते हैं। ये बड़े अपमार्जक पक्षियों की 22 प्रजातियों में से एक हैं, जो मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में रहते हैं। ये प्रकृति के अपशिष्ट संग्रहकर्त्ता के रूप में एक महत्वपूर्ण कार्य करते हैं और पर्यावरण को अपशिष्ट से मुक्त रखने में सहायता करते हैं। भारत में गिद्धों की 9 प्रजातियों जैसे ओरिएंटल व्हाइट-बैक्ड, लॉन्ग-बिल्ड, स्लेंडर-बिल्ड, हिमालयन, रेड-हेडेड, इ?ष्शियन, बियर्डेड, सिनेरियस और यूरेशियन ग्रिफॉन का निवास स्थान है। हालांकि दक्षिण एशियाई देशों विशेषकर भारत, पाकिस्तान और नेपाल में गिद्धों की आबादी में उल्लेखनीय कमी देखी गई है। इनकी संख्या में कमी का मुख्य कारण 1990 के दशक के अंत और 2000 के दशक की शुरुआत में पशुओं के उपचार में दर्द निवारक दवा डिक्लोफेनाक का व्यापक उपयोग था। इसके परिणामस्वरूप कुछ क्षेत्रों की आबादी में 97 प्रतिशत से अधिक की कमी देखी गई, जिससे पारिस्थितिकीय संकट उत्पन्न हुआ। बता दें कि आमतौर पर पशुओं में दर्द और सूजन का इलाज करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली यह दवा गिद्धों के लिए बेहद विषैली होती हैं। मृत जानवरों के शवों को खाने के बाद गिद्धों की सेहत पर डिक्लोफेनाक दवा? बहुत घातक प्रभाव छोड़ती है है। विशेष रूप से डिक्लोफेनाक गिद्धों में घातक गुर्दे की विफलता का कारण बनता है। इससे गिद्धों की मौत हो जाती है। हाल के अध्ययनों से पता चला है कि गिद्ध एक कुशल, लागत प्रभावी और पर्यावरण के लिए लाभकारी शव निपटान सेवा प्रदान करते हैं जिसे पशुपालक मूल्यवान मानते हैं। पशुओं के शवों को तेज़ी से खाने की उनकी क्षमता ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और वाहनों द्वारा शवों के संग्रह और प्रसंस्करण संयंत्रों तक परिवहन से उत्पन्न होने वाली आर्थिक लागतों को काफी कम कर सकती है। हमें यह समझने की निहायत आवश्यकता है कि ये गिद्ध कितने मूल्यवान हैं और भविष्य की पीढ़ियों के लिए इन्हें बचाने के लिए कदम उठाने चाहिए। जिससे हमारे पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने में मदद मिलेगी।

- साभार

बाली का पांडवा बीच: प्रकृति की गोद में इंसानी कारीगरी की एक खूबसूरत मिसाल

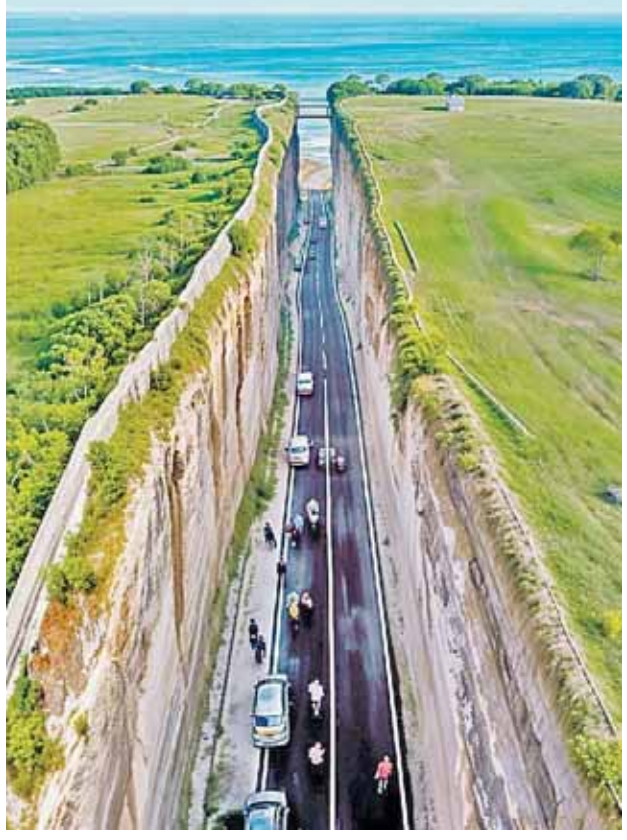

दुनिया में कई प्राकृतिक अजूबे हैं, जिनकी एक ही झलक इंसान को अचंभित कर देती है। कुछ अजूबे ऐसे हैं, जिन्हें प्रकृति के नजदीक इंसानों ने बड़ी खूबसूरती के साथ एक आकार दिया है। ऐसा ही एक अजूबा है बाली के साउथ कुटा के बाडुंग में पांडवा बीच की ओर जाने वाली सड़क। इसकी एक दिलचस्प विशेषता यह है कि इसे एक चट्टान से काटकर बनाया गया है।

सीएस से कहा-अपर कलेक्टर और तहसीलदार से मजिस्ट्रेट पावर भी छीन लिए जाएं

सिवनी मालवा तहसील का मामला पहुंचा हाईकोर्ट, अपर कलेक्टर व तहसीलदार को लगाई फटकार

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो। जबलपुर हाईकोर्ट में खुद पेश नहीं होकर, अपर कलेक्टर और तहसीलदार के हाथ चिट्ठी भेजने पर नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीणा को फटकार पड़ी है। कोर्ट ने जमीन विवाद से जुड़े एक मामले में हाईकोर्ट जज को सीधे पत्र लिखना दुस्साहसपूर्ण कदम बताया है। उन्होंने कलेक्टर पर एक्शन लेने के आदेश दिए हैं। हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव (सीएस) वीणा राणा को 30 अगस्त तक रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। ये भी कहा है कि अपर कलेक्टर और तहसीलदार को काम का जरा भी ज्ञान नहीं है, इसलिए इन्हें 6-6 महीने की ट्रेनिंग पर भेजा जाए। अपर कलेक्टर और तहसीलदार से मजिस्ट्रेट पावर भी छीन लिए जाएं।

दरअसल, हाईकोर्ट जस्टिस जीएस अहलूवालिया ने नर्मदापुरम में जमीन से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान कलेक्टर सोनिया मीणा को हाजिर होने को कहा था। लेकिन, कलेक्टर ने खुद कोर्ट जाने की जगह अपर कलेक्टर और तहसीलदार के हाथों सीधे हाईकोर्ट जज के नाम एक चिट्ठी भेज दी थी।

हाईकोर्ट ने फैसला रखा था सुरक्षित: हाईकोर्ट ने पिछली सुनवाई में कहा था कि कोई भी अधिकारी अपनी बात सरकारी वकील के जरिए ही कोर्ट में रख सकता है, इस तरह सीधे जज को चिट्ठी नहीं भेज सकता। कोर्ट ने नर्मदापुरम कलेक्टर के इस रवैये पर उनके खिलाफ कार्रवाई की बात कही थी।

ये है पूरा मामला, जिसके चलते हाईकोर्ट ने कलेक्टर को बुलाया था

दरअसल, सिवनी मालवा के रहने वाले प्रदीप अग्रवाल और नितिन अग्रवाल का जमीन को लेकर विवाद था। विवाद नहीं सुलझा तो इसे लेकर प्रदीप अग्रवाल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिस पर हाईकोर्ट के जस्टिस जीएस अहलूवालिया ने नामांतरण की प्रक्रिया नए सिरे से करने का आदेश दिया था। आदेश के बाद जब वापस जमीन नामांतरण का केस नर्मदापुरम गया तो वहां पर नामांतरण की कार्यवाही न कर सिवनी मालवा तहसीलदार ने दूसरे पक्ष नितिन अग्रवाल से बंटवारे का आवेदन रिकॉर्ड में लेकर प्रक्रिया शुरू कर दी, जबकि हाईकोर्ट का आदेश था कि इसमें नामांतरण करना है, न कि बंटवारा। इसके खिलाफ पक्षकार प्रदीप अग्रवाल ने रिवीजन आवेदन अपर कलेक्टर को सौंपा और बताया कि तहसीलदार की यह कार्यवाही हाईकोर्ट के आदेश का उल्लंघन है, जिसे सुधारा जाए। अपर कलेक्टर ने भी तहसीलदार की कार्यवाही को सही ठहराया और कहा कि हाईकोर्ट के निर्देश का पालन हो रहा है।

कलेक्टर का पत्र: जस्टिस अहलूवालिया ने कहा था- मजाक बनाकर रखा हुआ है

जस्टिस अहलूवालिया ने कलेक्टर की तरफ से लेटर लेकर आए एडीएम पर भी नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा था कि एडिशनल कलेक्टर हैं तो उसे लगता था कि मेरी कलेक्टर हैं ये तो कुछ भी कर सकती हैं। मजाक बनाकर रखा हुआ है। जब डिप्टी एडवोकेट जनरल कलेक्टर की तरफ से बात कर रहा है और वो पीछे खड़े होकर मुझे कलेक्टर का लेटर दिखा रहा है। जस्टिस अहलूवालिया ने कहा कि सीधे संस्पेंड करने के निर्देश देता हूं, फिर देखता हूं कि कैसे सीएस उसे रिमूव करते हैं। आप लोगों के अफसरों की इतनी हिम्मत बढ़ गई कि आपको कुछ नहीं समझते। एडीएम समझते हैं कि अगर हाईकोर्ट जज को कलेक्टर ने लेटर लिख दिया तो सब कुछ हो गया।

याचिकाकर्ता के वकील सिद्धार्थ गुलाटी ने कोर्ट को बताया कि हाईकोर्ट का आदेश नामांतरण का था, जबकि तहसीलदार बंटवारा कर रहे हैं। हाईकोर्ट ने सुनवाई की और नर्मदापुरम कलेक्टर को उपस्थित होकर जमीन के मामले को लेकर हुई कार्यवाही समझाने को कहा था।

कलेक्टर ने कहा था: मेले की व्यवस्था में व्यस्त थी

कलेक्टर सोनिया मीना ने कहा था कि नागद्वारी मैले की तैयारी के लिए जा रहे कर्मचारियों की जिप्सी खाई में गिरी थी और धूपगढ़ मार्ग पर लैंड स्लाइड हुआ था। 1 अगस्त से मेला और नागद्वार यात्रा शुरू होने वाली है। इसलिए मेले की व्यवस्था देखने के लिए पचमढ़ी में हूं। एडीएम और तहसीलदार को हमने हाईकोर्ट भेजा था।

नर्मदापुरम में रक्षाबंधन से पूर्व लाड़ली बहनों के लिए आभार सह उपहार कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश की लाडली बहनों द्वारा दिये गये अपार समर्थन के लिये उनके प्रति आभार प्रदर्शित करने के साथ- साथ उन्हें इग वर्ष श्रावण मास में रक्षाबंधन के पूर्व विशेष उपहार दिया जा रहा है। इस अवसर पर प्रदेश के अन्य जिलों की तरह नर्मदापुरम जिले में भी उत्साहपूर्वक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। तत्संबंध में प्रदेश के मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा ने विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टर्स को निर्देश जारी किये। नर्मदापुरम जिले में रक्षाबंधन से पूर्व लाडली बहना हितग्राहियो के लिए आयोजित कार्यक्रम मे मुख्य अतिथी को लाडली बहने राखी बांधेंगी। कार्यक्रम की थीम स्थानीय राखी, सावन, उत्सव की थीम होगी। कार्यक्रम स्थल में झूले डाले जाऐंगे। Selfie points, राखी गीत गाये जायेंगें। स्थानीय लाड़ली बहना की testimonial प्रदर्शनी लगेगी, कन्या पूजन होगा। कार्यक्रमों में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण होगा। कार्यक्रम में लाडली बहनें मुख्य अतिथी को बड़ी राखी बांधकर अपनी भावनाओं को व्यक्त करेंगी तथा अभिनंदन पत्र एवं अपनी बात के पत्र भेंट करेंगी। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी का कार्यक्रम जिस जिले में होगा वहां पर मुख्यमंत्री आभार पत्र और इस वर्ष दिये जाने वाले विशेष उपहार का संदेश देंगें। स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। लाडली बहनों द्वारा आभार प्रदर्शन भी किया जायेगा।

नर्मदा कॉलेज में प्रेमचंद जयंती पर संगोष्ठी के साथ, भाषण, चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित की गई

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में प्रेमचंद जयंती के अवसर पर संगोष्ठी एवं विभिन्न साहित्यिक प्रतियोगिताओं और रचनात्मक विधाओं का आयोजन किया गया.कार्यक्रम का आरंभ मां सरस्वती के पूजन से किया गया. विषय प्रवर्तन करते हुए संयोजक डॉ के जी मिश्र ने लेखकीय दृष्टि से प्रेमचंद साहित्य के विविध आयामों पर प्रकाश डालते हुए उनकी कहानियों और उपन्यासों पर भी चर्चा की।प्राचार्य डॉ. ओ एन चौबे ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि प्रेमचंद जमीन से जुड़े लेखक और साहित्यकार थे.बच्चों से लेकर उच्च शिक्षा की पढ़ाई तक जुड़े

युवाओं को उनकी कहानियां प्रेरित करती हैं.उनकी रचनाएं न केवल समाज को आईना दिखाने का काम करती हैं बल्कि आसपास घटित हो रहे माहौल से भी जोड़ती हैं. तत्पश्चात सारस्वत वक्ता नर्मदा प्रसाद सिसोदिया ने अपने वक्तव्य में प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय देते हुए कहा कि साहित्य और कला जगत में मुंशी प्रेमचंद आज भी जीवित हैं वे जनमानस के सबसे प्रिय रचनाकारों में से एक हैं जब भी सामाजिक चेतना व ज्वलंत मुद्दों को साझा करने की बात होती है प्रेमचंद याद किए जाते हैं.तत्पश्चात विशिष्ट वक्ता डॉ. अमिता जोशी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कफन कहानी के माध्यम से भूख, गरीबी, स्वार्थ की पराकाष्ठा का चित्रण वहीं पंच परमेश्वर के माध्यम से बड़े पद को सत्ता नही बल्कि समाज के प्रति बड़े दायित्व का विषय बताकर उसके उचित उपयोग की आवश्यकता को रेखांकित किया. उन्होंने कहा कि उनके साहित्य में वेदना, दर्द और समाज का यथार्थ चित्रण किया गया।

मरीजों को उपचार के दौरान मिल रहा लाभ

जिला अस्पताल में स्थापित वायु परिशोधन उपकरण से वार्ड हो रहे इन्फेक्शन मुक्त

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

जिला अस्पताल में मरीजों को उपचार के दौरान मिलने वाली सुविधाओं में लगातार इजाफा किया जा रहा है। उक्त परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर नर्मदापुरम सोनिया मीना द्वारा बताया गया कि जिला अस्पताल की सभी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रशासन कृत संकल्पित है। इसी तारतम?य में सिजेरियन पोस्ट को ऑपरेटिव वार्ड, बर्नवार्ड, इमरजेंसी वार्ड, एसएनसीयू तथा ऑपरेशन थिएटर में मरीजों में इंफेक्शन फैलने से रोकने के लिए एस पी एम नर्मदापुरम द्वारा प्रदत 7 वायु परिशोधन उपकरण के माध्यम से वार्डो को इंफेक?शन मुक?त किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जिला अस्पताल के सभी वार्डों को इंफेक्शन से मुक्त करने के लिए प्रशासन द्वारा लगातार कोशिश की जाती रही है। मरीज की संख्या अधिक होने के कारण वार्डन को पूर्णता खाली करके साफ करना तथा इन्फेक्शन मुक्त करना संभव नहीं होता है इसी क्रम में उक्त उपकरणों द्वारा जिला अस्पताल के वार्डों को इंफेक्शन मुक्त करने का काम किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला चिकित्सालय नर्मदा पुरम की महिला रोग विशेषज्ञ चिकित्सक तथा पोस्ट को ऑपरेटिव वार्ड के मरीजों की ड्रेसिंग करने वाली नर्सिंग ऑफिसर द्वारा बताया गया कि उक्त पद्धति से इंफेक्शन खत्म करने के बाद ऑपरेशन के बाद टांके पकने वाले मरीजों की संख्या में गिरावट आई है तथा सभी मरीजों के टांके समय पर ठीक हो रहे हैं। इस उपकरण में एक और सिस्टम होता है जिसमें एफ टी एफ पद्धति से सभी कीटाणुओं को 200 डिग्री सेल्सियस पर समाप्त किया जाता है। उपरोक्त वायु परिशोधन उपकरण वार्ड की हवा को 6 घंटे में करीबन 90 प्रतिशत कीटाणु मुक्त बनाता है।

इस उपकरण के उपयोग से वार्ड में पहले भर्ती हुए

मरीजों के इन्फेक्शन के कीटाणु खत्म होने से बाद में आने वाले मरीजों को इन्फेक्शन होने की संभावना कम हो जाती है तथा प्रतिदिन वार्ड में हवा का परिशोधन करने से मरीजों का सामान्य इन्फेक्शन कम होता है। ऐसा होने से घाव जल्दी ठीक होने की संभावना बढ़ जाती है।

गाइनेकोलॉजिस्ट डॉक्टर रिचा पहाड़िया ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि सिजेरियन ऑपरेशन के मरीजों में भी टांके पकने की संख्या विगत 3 माह में करीब 70 प्रतिशत कम हुई है तथा मरीजों के घाव पहले से बहुत कम पक रहे हैं जिससे मरीजों की अस्पताल से समय पर छुट्टी भी हो रही है।

श्रावण मास में घरों-घर हो रही है शिव की उपासना

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

पूरे साल में श्रावण मास में भगवान शंकर की उपासना,आराधना,पूजन के लिए विशेष फलदाई इस महीने को बताया है। इस महीने में भगवान शंकर की आराधना तो सभी लोग करते हैं लेकिन विशेष तौर पर महिलाओं को भगवान शंकर की पूजा आराधना और अभिषेक करने के लिए शिव मंदिरों में जमकर भीड़ देखी जाती है तो वही अपने-अपने घरों में भी भगवान शंकर का शिवलिंग बनाकर अभिषेक और पूजन किया जा रहा है। प्रति सोमवार नगर के वार्ड नंबर 15 बलराम

पटेल कॉलोनी की नमामि पाराशर के निवास पर कॉलोनी की समस्त महिलाओं द्वारा सामूहिक रूप से उपस्थित होकर पूजन अर्चन की जाती हैं।

जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

नर्मदापुरम। अपर कलेक्टर डी. के. सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक संपन्न हुई। जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्रा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ दिनेश देहलवार, सिटी मजिस्ट्रेट असवन राम चिरामन, महाप्रबंधक जिला व्यापार उद्योग कैलाश माल, महिला बाल विकास अधिकारी ललित डहेरिया, खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेन्द्र सिंह राणा एवं कमलेश दियावार एवं शिक्षा विभाग के अधिकारीगण एवं खाद्य व्यवसाय प्रतिनिधि एवं खाद्य पोषण से संबधित प्रतिनिधि उपस्थित रहे। उक्त बैठक में मुख्यालय खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेन्द्र सिंह राणा द्वारा जानकारी प्रदान की गयी कि विगत् 06 माह में जिले में 113 लीगल नमूना संग्रहण एवं 300 सर्विलेंस नमूने एकत्रित किए जाकर राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए एवं विभाग द्वारा 29 प्रकरण माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किए गए साथ ही न्यायालय द्वारा 39 प्रकरणों में 12,29,000/- रुपए जुर्माना अधिरोपित किया गया ।

मूंग उपार्जन में 5 दिन की हुई वृद्धि

सिवनी मालवा से लेकर संसद तक उठा मूंग खरीदी का मामला

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

किसान अपनी समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी को लेकर किसानों में जमकर आक्रोश है किसानों द्वारा लगातार जिले से लेकर तहसील स्तर तक अपना आंदोलन जारी रखा वही होशंगाबाद नरसिंहपुर संसदीय क्षेत्र के नव निर्वाचित सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने भी इस मुद्दे को बखूबी संसद में उठाया। इसके अलावा भी किसानो से संबंधित कई बातों को भी संसद में रखी।सांसद ने बताया की ग्रीष्मकालीन मूंग की अच्छी पैदावार हुई है। लेकिन बाजार में मूंग के दाम एमएसपी से नीचे चल रहे हैं। ऐसे में किसानों की आस सरकारी खरीद पर टिकी है। चूंकि मूंग की खरीद 31 जुलाई तक होना थी। जिसको लेकर किसान भाइयों के संपूर्ण क्षेत्र से निरंतर फोन आ रहे थे। मैं 18 वीं लोकसभा के द्वितीय संसद सत्र में दिल्ली में हूं। किसान मूंग की तुलाई से वंचित न रहे इसलिए ग्रीष्मकालीन मूंग उपार्जन की तिथि में वृद्धि को लेकर आज प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से दूरभाष के माध्यम से चर्चा हुई है। मुख्यमंत्री के द्वारा मूंग उपार्जन की तिथि में वृद्धि की जा रही है। किसान भाईयों चिंता न करें। मूंग खरीदी की तीथि 31 जुलाई को बढ़ाकर 5 अगस्त कर दी गई है।

मेट्रो एंकर समर्थन मूल्य पर बेचने के लिए किसानों को आंदोलन का सहारा लेना पड़ रहा

मूंग खरीदी को लेकर किसान सड़कों पर कर रहे हैं चक्काजाम

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

मूंग खरीदी को लेकर लगातार किसानों को सड़कों पर आना पड़ रहा है और अपनी ही मूंग को समर्थन मूल्य पर बेचने के लिए उसे आंदोलन का सहारा लेना पड़ रहा है। ऐसा नहीं है कि सिवनी मालवा में ही किसानों द्वारा आंदोलन किया जा रहा है सिवनी मालवा के अलावा पूरे नर्मदापुरम जिले में मूंग खरीदी को लेकर इन दोनों किसान सड़कों पर हैं(यही नहीं पूरे नर्मदापुरम से लेकर संसद भवन तक मूंग खरीदी का ममला सुर्खियों में है।बुधवार के दिन भारतीय किसान संघ सिवनी मालवा ने किसानो की तीन महत्वपूर्ण ज्वलंत समस्याओं को लेकर हरदा नर्मदापुरम मुख्य मार्ग पर चक्का जाम कर शासन प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन कर एसडीएम सरोज परिहार को ज्ञापन सौंपा कर मांग कि गई कि जिसमे, जिन किसानों का मूंग उपार्जन नहीं हो पाया है एवं स्लाट बुकिंग भी नहीं हो पाई है ऐसे किसानों के लिए 15 अगस्त तक की अवधि बढ़ाई जाए एवं 10 अगस्त तक स्लाट बुकिंग कराई जाए।

जिन किसानों का मूंग उपार्जन हो गया है उन किसानों का भुगतान अतिशीघ्र कराया जाए। जिन किसानों का मूंग उपार्जन हो चुका है उनका पहला बिल 40 क्विंटल का बन चुका है। दूसरा शेष बिल बन सके ऐसी व्यवस्था की जाए।

भारतीय किसान संघ ने चेतावनी देते हुए कहा अगर किसानों की मुख्य मांगों का शीघ्र निराकरण नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा जिसकी सारी जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से जगदीश पाटिल, ओमप्रकाश उपाध्याय,सूरज बली जाट, देवेन्द्र पटेल,रामेश्वर जाट, सोनू भदौरिया, शंकर सिंह पटेल,नितेश भारद्वाज, राधा कृष्ण मालवीय अलताप लौवंशी,संजय लौवंशी,अभय गौर, कन्हैयालाल राजपूत, पन्नालाल गौर, बदामीलाल गौर,शुभम सिंह तोमर, बिष्णु वर्मा, सुभाष गौर,चन्द्रप्रकाश रघुवंशी, गुलाब लौवंशी, शिवनाथ सिसोदिया,पवन बडकुड, रोहित गौर, संतोष लौवंशी, अशोक रघुवंशी सहित पदाधिकारी, कार्यकर्ता और किसान उपस्थित थे।

नगर पालिका के कर्मठ कर्मचारी रावत सेवा निवृत हुए

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

नगर पालिका में कर्मचारी सेवाएं देते हैं और कुछ कर्मचारी ऐसे होते हैं जिनकी सेवा भावना से लोग प्रभावित होते हैं और जिन्हें सेवानिवृत्ति के बाद भी लोग हमेशा याद करते हैं। नगर पालिका नर्मदा पुरम के एक ऐसे ही कर्मचारी है ओ पी रावत कल सेवानिवृत्त हो गये । उन्हें साथी अधिकारियों व कर्मचारियों ने भावभीनी विदाई दी। इस मौके पर विधायक सहित कई गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर रावत की कार्य शैली को रेखांकित करते हुए उनके उज्जवल

भविष्य की शुभकामनाएं दी । 40 वर्षों से भी अधिक समय तक नागरिकों की सेवा में तत्पर रहे। वरिष्ठ सहायक राजस्व निरीक्षक पद पर रहते हुए इन्होंने नगर पालिका के वह सब कामों का दायित्व संभाला जो काम दुर्लभ और कठिन कहे जाते थे। राम जी बाबा के मेले को व्यवस्थापन करना इनको बखूबी आता था यही वजह रही कि नगर पालिका में जो भी अधिकारी पदस्थ रहे वह रामजी बाबा मेले की व्यवस्था का भार ओ पी रावत के कंधो पर डाल दिया करते थे। अधिकारियों को यह अच्छी तरह पता था कि मेले जैसे आयोजन की व्यवस्था करना सिर्फ रावत के बस की बात है।

बारिश नहीं होने से उमस के कारण बढ़ी बेचैनी, पानी को लेकर हो रही किल्लत

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

बरसात के दिनों में भी नगर के कई वार्डों में टैंकरों से पानी की सप्लाई करने नहीं पड़ रही है। पिछले साल भी कम बारिश हुई थी इस साल भी उसी तरह के हालात बने हुए हैं। इस वजह से सब की चिंताएं बड़ी हुई है वही सिरोंज क्षेत्र के आसपास की तहसीलों में भी अच्छी बारिश हो रही है। नगर में बारिश नहीं होने के कारण पानी की किलान का भी शहर वासियों को सामना करना पड़ रहा है ,डेम पूरी तरह से खाली पड़ा हुआ है बरसात का एक महीना खाली बीत गया इस वजह से गर्मी से भी मुक्ति नहीं मिल पा रही है। बुधवार को दिनभर बादलों की लुका छुपी का खेल तो चला रहा पर आसमान से बारिश की बूंदे नहीं गिरने से उमस और गर्मी के कारण आमदनी की हालत जरूर खराब हो रही है उल्टी दस्त की बीमारी से लोग पीड़ित हो रहे हैं । बेचैनी होने से हालत खराब हो रही है कूलर पंखे काम नहीं कर रहे हैं अस्पतालों में मरीजों की संख्या में भी इस वजह से वृद्धि हो रही है। जुलाई का पूरा महीना ही बीत गया पर सावन की झड़ी नहीं लगने से राहत नहीं मिल रही है ।जब तक सावन की झड़ी नहीं लगेगी तब तक उमस और गर्मी से मुक्ति भी नहीं मिल पाएगी जल स्रोतों में भी वृद्धि नहीं होगी केथन डेम पूरी तरह से खाली पड़ा हुआ है जिसको देखकर सबकी चिंताएं बड़ी हुई हैं आने वाले एक-दो दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो पानी को लेकर और भी ज्यादा हालत खराब हो सकते हैं।

सीएम राइज विद्यालय में शिक्षकों को दिया स्काउट गाइड का प्रशिक्षण

सिरोंज। बुधवार को सीएम राइज स्कूल में भारत स्काउट गाइड जिला संघ के द्वारा एक दिवसीय बिगनर्स प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिला सचिव हरिहर चतुर्वेदी, जिला समन्वयक अनीता सोनवाने, ब्लॉक समन्वयक फरहत उलनिशा खान ने सभी स्काउट शिक्षकों को प्रशिक्षण देते हुए स्काउट गाइड की गतिविधियों से अवगत करते हुए कहा कि स्काउट गाइड देश की सेवा की प्रति समर्पित्य क्रेडिट का चयन करता है उनको उत्कृष्ट बनाने के लिए अपना समर्पण देता है सभी प्रशिक्षण ले रहा है शिक्षा इस बात का ध्यान रखें और अपने अनुभवों से स्काउट गाइड के नियमों के अनुसार प्रशिक्षण लेकर इसका उपयोग अपने-अपने स्कूलों में स्काउट गाइड के गाइड के हितों के लिए पूरी गंभीरता से करें कई शिक्षकों के सवालों का जवाब भी दिया इस दौरान स्काउट प्रभारी मुकेश राठौर ,सीएम राइज प्राचार्य महेश कुमार ताम्रकार वरिष्ठ शिक्षक संजीव माथुर सहित शिक्षकगण मौजूद उपस्थित थे । क्षमता के हिसाब से विकसित होने वाले विद्यार्थी 15 अगस्त की परेड में शामिल होकर अपने शौर्य का प्रदर्शन भी करते हैं।

समस्या निवारण शिविर में समस्याओं का अंबार, बड़ी संख्या में पहुंचे हितग्राही

लाडली बहनें जमीन पर बैठने को मजबूर, नहीं मिली कुर्सियां

विधायक, कलेक्टर के पास पहुंचने की मची होड़ पीएचई विभाग के अधिकारियों पर बरसे विधायक, लगाई फटकार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

बुधवार को पथरिया पंचायत में खंड स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन हुआ जहां पर लाडली बहनाओं को कुर्सियों की व्यवस्था भी नहीं की गई विधायक और कलेक्टर को आवेदन देने के लिए हितग्राहियों में होड़ मची रही 344 आवेदन तो रिकॉर्ड में आए हैं इसके अलावा कई आवेदन बिना रिकॉर्ड के भी दिए गए हैं ।जिनकी संख्या बहुत ज्यादा बताई जा रही है अव्यवस्थाओं के कारण मंच पर बैठे विधायक और कलेक्टर भी चुपचाप इस व्यवस्था को देखते रहे दूसरी ओर हितग्राहियों को कलेक्टर और विधायक के पास पहुंचने से रोकने का इंतजाम किया गया तब जाकर सिंचाई रूप से सिविल प्रारंभ हो पाया किया गया। इस जन समस्या निवारण शिविर का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ कन्या पूजन कर किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुरवाई विधायक हरिसिंह सप्रे एवं कलेक्टर बुद्धेश्वर कुमार वैद्य जैसे ही मंच पर पहुंचे तत्काल हितग्राहियों की लाइन लग गई अचानक आई भीड़ देखकर कार्यक्रम स्थल पर अव्यवस्था अव्यवस्था गए फैल गई। जिसके कारण अधिकारियों को समझ ही नहीं आ रहा था, कि किसके आवेदन लें और समस्या का क्या निराकरण करें। काफी देर तक चली इस अव्यवस्था के बाद कलेक्टर ने मंच से ही अधिकारियों से कहा कि समस्या लेकर आए लोगों की आवेदन ले लिए जाएं फिर अधिकारियों ने हितग्राहियों से आवेदन लिए।

पीएम सम्मन निधि की एक केवाईसी के लिए तथा स्वास्थ्य विभाग के द्वारा भी केप लगाया गया उनके आवेदनों का मौके पर ही निराकरण हुआ सबसे ज्यादा शिकायत है जनपद पंचायत और राजस्व विभाग की प्राप्त हुई दूसरी ओर पथरिया ग्राम की महिलाओं ने और ग्रामीणों ने पट्टे की मांग को लेकर आवेदन दिए शिविर में प्राप्त आवेदनों को कलेक्टर ने विभाग बार विभाग बार तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की जानकारी भी अधिकारियों से ली। कलेक्टर ने अधीनस्थों को निर्देशित किया कि किसी भी नागरिक को अपने काम के लिए दफ्तर-दफ्तर नहीं भटकना पड़े। काफी लंबे समय बाद जन समस्या निवारण शिविर लगने के कारण बड़ी संख्या में हितग्राही पहुंचे थे, रजिस्टर पंजीयन के अनुसार 344 से अधिक पंजीयन हुए तो वही बिना पंजीयन के भी सैकड़ो की तादात में लोगों ने सीधे आवेदन कलेक्टर और विधायक को दिए। इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास जिला सभापति प्रतिनिधि भगत सिंह रघुवंशी, पथरिया सरपंच रीना लेखराज पाल, अतिरिक्त जिला सीईओ, पंकज जैन, एडीएम अनिल डामोर, एसडीएम हर्षल चौधरी, सीईओ वंदना शर्मा, नायब तहसीलदार विकास अग्रवाल राकेश रघुवंशी सहित सभी विभागों के विभाग प्रमुख मुख्य रूप से मौजूद रहे।

विधायक ने पीएचई के अधिकारियों को लगाई फटकार

विधायक हरिसिंह सप्रे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही को मिल सके इसके लिए अधिकारी अपनी कमर कश लें, और गांव-गांव जाकर लोगों को सरकार की योजनाओं के बारे में बताएं। केंद्र एवं राज्य सरकार सैकड़ो योजनाएं चलाकर लोगों को लाभान्वित करने का कार्य कर रही है। अधिकारी गांव गांव जाकर समस्याओं का समाधान करें, और पात्र हितग्राहियों को इनका लाभ दिलवाएं। वही उन्होंने कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्यपालन, स्कूल शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला और बाल विकास आदि विभागों के अधिकारियों से कहा कि सिर्फ कार्यक्रमों में ही अकेले अकेले स्टॉल ना लगाए। गांवों में पहुंचकर लोगों को शासन की योजनाओं की जानकारी जरूर दें। वही इस अवसर पर विधायक पीएचई के अधिकारियों पर भड़क गए उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा समस्याएं बिजली विभाग और पीएचई विभाग की है गांव-गांव में नल जल योजना अधूरी पड़ी हई है। जिसके कारण ग्रामीण परेशान हो रहे हैं ठेकेदार और अधिकारी मिलकर भ्रष्टाचार को अंजाम दे रहे हैं। जिसको लेकर मैने विधानसभा में भी प्रश्न लगाया था इसके बावजूद भी अभी तक कोई बड़ी कार्रवाई देखने को नहीं मिली है। उन्होंने कलेक्टर से कहा कि जल्द से जल्द जांच करा कर भ्रष्ट अधिकारियों और ठेकेदारों पर कड़ी कर्रवाई करें।

कलेक्टर ने कहा आधार और समग्र आईडी रखें अपडेट

वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर बुद्धेश्वर कुमार वैद्य ने कहा कि डिजिटलीकरन हो रहा है। इसलिए किसान और हितग्राही सभी अपने आधार और समग्र आईडी को अपडेट करा लें, क्योंकि वर्तमान में शासन की योजनाओं में अपडेशन जरूरी है। किसान सम्मन निधि तभी खाते में आएगी जब आपका आदर और समग्र आईडी अपडेट हो इसीलिए कागज अपडेट कर कर रखें। वही उन्होंने राजस्व विभाग नामांतरण-बंटवारा, सीमांकन आदि राजस्व मामले के निराकरण सहित किसान पुस्तिका की जानकारी देते हुए कहा कि भूमि स्वामियों को ऐसे राजस्व प्रकरणों के निपटारा के लिए आगे होना पड़ेगा। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभांवित होने के लिए नक्शा, खसरा, बी-वन, सहित अन्य दस्तावेजों की जरूरत पड़ती है। ऐसे दस्तावेजों के लिए लोक सेवा केंद्रों में संपर्क कर सकते हैं। वर्तमान में मोबाइल के माध्यम से ही आधे कार्य हो जाते हैं।

कलेक्टर ने स्थानीय अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश

शिविर में पथरिया निवासी दिव्यांग ज्ञान सिंह आदिवासी ने कलेक्टर को अपनी समस्या बताई। उन्होंने बताया कि मेरे परिवार में 14 लोग हैं, लेकिन हमें रहने के लिए जगह नहीं है, जबकि जनमन योजना के तहत हमारे कागज भी तैयार कराए गए हैं। लेकिन अभी तक पीएम आवास नहीं बन सका है। जिसको लेकर कलेक्टर ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एसडीएम हर्षल चौधरी को निर्देश दिए की तत्काल इनके लिए शासकीय भूमि देखकर आवंटित की जाए। यदि जरूरत पड़े तो इन्हें जनमन योजना कॉलोनी के तहत प्लाट उपलब्ध कराय जाए। कलेक्टर के निर्देश सुनते ही लोगों ने तालियां बजा दी। इसके बाद स्थानीय अधिकारियों ने तत्काल उसके कागजात देखकर और जल्द से जल्द भूमि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। वही शिविर में 42 वर्षीय वीर सिंह कुशवाह ने कलेक्टर से गुहार लगाई।

जिला अस्पताल में स्थापित वायु परिशोधन उपकरण से वार्ड हो रहे इन्फेक्शन मुक्त...

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

जिला अस्पताल में मरीजों को उपचार के दौरान मिलने वाली सुविधाओं में लगातार इजाफा किया जा रहा है। उक्त परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर नर्मदापुरम सोनिया मीना द्वारा बताया गया कि जिला अस्पताल की सभी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रशासन कृत संकल्पित है। इसी तारतम्य में सिजेरियन पोस्ट को ऑपरेटिव वार्ड, बर्नवार्ड, इमरजेंसी वार्ड, एसएनसीयू तथा ऑपरेशन थिएटर में मरीजों में इंफेक्शन फैलने से रोकने के लिए एस पी एम नर्मदापुरम द्वारा प्रदत 7 वायु परिशोधन उपकरण के माध्यम से वार्डो को इंफेक्शन मुक्त किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जिला अस्पताल के सभी वार्डों को इंफेक्शन से मुक्त करने के लिए प्रशासन द्वारा लगातार कोशिश की जाती रही है। मरीज की संख्या

मरीजों को उपचार के दौरान मिल रहा लाभ...

अधिक होने के कारण वार्डन को पूर्णता खाली करके साफ करना तथा इन्फेक्शन मुक्त करना संभव नहीं होता है इसी क्रम में उक्त उपकरणों द्वारा जिला अस्पताल के वार्डों को इंफेक्शन मुक्त करने का काम किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला चिकित्सालय नर्मदा पुरम की महिला रोग विशेषज्ञ चिकित्सक तथा पोस्ट को ऑपरेटिव वार्ड के मरीजों की ड्रेसिंग करने वाली नर्सिंग ऑफिसर द्वारा बताया गया कि उक्त पद्धति से इंफेक्शन खत्म करने के बाद ऑपरेशन के बाद टांके पकने वाले मरीजों की संख्या में गिरावट आई है तथा सभी मरीजों के टांके समय पर ठीक हो रहे हैं। इस उपकरण में एक और सिस्टम होता है जिसमें एफ टी एफ पद्धति से सभी कीटाणुओं को 200 डिग्री सेल्सियस पर समाप्त किया जाता है। उपरोक्त वायु परिशोधन उपकरण वार्ड की हवा को 6 घंटे में करीबन 90 प्रतिशत कीटाणु मुक्त बनाता है। इस उपकरण के उपयोग से वार्ड में पहले भर्ती हुए मरीजों के इन्फेक्शन के कीटाणु खत्म होने से बाद में आने वाले मरीजों को इन्फेक्शन होने की संभावना कम हो जाती है तथा प्रतिदिन वार्ड में हवा का परिशोधन करने से मरीजों का सामान्य इन्फेक्शन कम होता है।

ऐसा होने से घाव जल्दी ठीक होने की संभावना बढ़ जाती है। गाइनेकोलॉजिस्ट डॉक्टर रिचा पहाड़िया ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि सिजेरियन ऑपरेशन के मरीजों में भी टांके पकने की संख्या विगत 3 माह में करीब 70 प्रतिशत कम हुई है तथा मरीजों के घाव पहले से बहुत कम पक रहे हैं जिससे मरीजों की अस्पताल से समय पर छुट्टी भी हो रही है।

6 माह में खाद्य पदार्थों के 29 प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किए गए

नर्मदापुरम। पर कलेक्टर डी. के. सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक संपन्न हुई। जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्रा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ दिनेश देहलवार, सिटी मजिस्ट्रेट असवन राम चिरामन, महाप्रबंधक जिला व्यापार उद्योग कैलाश माल, महिला बाल विकास अधिकारी ललित डहेरिया, खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेन्द्र सिंह राणा, कमलेश दियावार एवं शिक्षा विभाग के अधिकारीगण एवं खाद्य व्यवसाय प्रतिनिधि एवं खाद्य पोषण से संबधित प्रतिनिधि उपस्थित रहे। उक्त बैठक में मुख्यालय खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेन्द्र सिंह राणा द्वारा जानकारी प्रदान की गयी कि विगत् 06 माह में जिले में 113 लीगल नमूना संग्रहण एवं 300 सर्विलेंस नमूने एकत्रित किए जाकर राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए।

स्कूल में बच्चों की पिटाई का मामला

बच्चों की जांघों पर निशान, प्रिंसिपल ने गलती स्वीकार की बोले एक छोटे स्केल से मारा है

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर के एक निजी स्कूल में कक्षा 10वीं व कक्षा 9वीं में पढ़ने वाले दो छात्रों को स्कूल प्रिंसिपल द्वारा पिटाई करने का मामला थाने तक पहुंच गया। बच्चों की जांघों पर निशान है जिनका मेडिकल परीक्षण कराया गया है। पुलिस ने मामले पर एनसीआर कायम कर मामले पर इतिश्री कर ली व न्यायालय की शरण जाने की सलाह दी है। बच्चों ने बताया कि करीबन 11.30 बजे सुबह वे दोनों स्कूल में खेल रहे थे तभी प्रिंसीपल आये और अपने हाथ में रखी छड़ी से हमकों मारने लगे। उनके मारने से मेरे बाये पैर की जांघ में चोट लगी व दूसरे को भी बाये पैर में । इसके बाद दोनों अपने अपने घर चले गये, घर वालों को साथ लेकर रिपोर्ट करने थाना आए। पुलिस ने मामला धारा 115 (2) बीएनएस का पाया और दोनों का मेडीकल परीक्षण सिरोज अस्पताल से कराया गया जिस पर डाक्टर ने एक्स रे करने की सलाह दी है। बच्चों ने बताया कि लंच के समय हम दूर बैठे थे तब प्रिंसिपल ने हमें आवाज देकर बुलाया और डंडे से मारने लगे। प्रिंसिपल से हमने बात की तो उनका कहना था कि इस बच्चे की काफी दिनों की शिकायत मिल रही थी किसके कारण मैंने इसको एक छोटे से स्केल से मारा है मैं गलती स्वीकार करता हूं।

मेट्रो एंकर | पूर्व में गांव के लोगों को शासकीय पट्टे खेती करने एवं आवास बनाने के लिए दिए

ग्राम मलसीपुर में पट्टे की जमीन पर बन रही अवैध कॉलोनी, मिली भगत का आरोप

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

ऐसे गरीब जरूरतमंद जिनके पास भूमि नहीं है उन्हें पट्टे की जमीन का आवंटन होता है। गांव के गरीब परिवारों को खेती से पैसा कमाने के उद्देश्य से उन्हें जमीनों का पट्टा दिया जाता है, लेकिन भू माफिया इन जमीनों का भी अवैध तरह से सौदा करने में जुटे हुए हैं और हैरानी की बात है कि प्रशासन ने अपनी आंखे मूंद रखी हैं। ऐसा ही मामला नगर के भोपाल रोड स्थित शासकीय अस्पताल से सटे गांव मलसीपुर का सामने आया है जहां पर शासन ने पूर्व में गांव के लोगों को शासकीय पट्टे खेती करने एवं आवास बनाने के लिए दिए थे, लेकिन वर्तमान में यह जमीन सिरोंज - भोपाल रोड की मुख्य सड़क पर होने के कारण बेशकीमती है जिस पर अब भू माफियाओं की नजर पड़ गई है। यही वजह है कि इस पट्टे की भूमि पर महामाया नामक अवैध कालोनी काटी जा रही है यह अवैध कॉलोनाइजर काफी सक्रिय भी दिखाई दे रहे हैं। यही वजह है कि लगातार प्रशासनिक अधिकारियों की मिलीभगत से कॉलोनी काटने का कार्य कर रहे हैं।

लोगों को तमाम सपने दिखा पट्टे की जमीन पर सस्ती दर पर प्लाट बेचे जा रहे हैं। लोग लालच में आकर सस्ते होने के कारण इन अवैध कालोनियों में प्लाट ले भी रहे हैं। हमारे संवादाता की पड़ताल में सामने आया कि इस पट्टे की भूमि पर वर्तमान भूमि स्वामी दिखाई दे रहा है, जिसके कारण धड़ल्ले से प्लाटों की रजिस्ट्री भी हो रही है। लेकिन नामांतरण के समय सारी असलियत सामने आ जाती है। नामांतरण निरस्त कर दिया जाता है, जिसमें कारण बताया जाता है। कि यह जमीन सन 1971 में क पत्रक के तहत शासकीय पट्टे की है, जिसकी वजह से आए दिन बाद विवाद की स्थिति भी देखने को मिल रही है।

क्षेत्र में 50 से अधिक अवैध कालोनियां

अवैध कालोनियों को लेकर प्रशासन कितना सजग और सख्त है, इसका उदाहरण कार्रवाई के दावों को देखकर लगाया जा सकता है। यही वजह है कि कुछ दिन मुहिम चलाई जाती है लेकिन फिर इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। नतीजतन बीते एक वर्ष में नगर सहित आसपास 50 से अधिक अवैध कालोनियां विकसित हो गई हैं। खास बात तो यह है कि सरकारी जमीनों तक पर कब्जे किए जा रहे हैं। इसके बाद भी प्रशासन द्वारा इन पर कोई सख्ती नहीं दिखाई जा रही है। यही नहीं, कार्रवाई के नाम पर एसडीएम सिर्फ सर्वे कराकर रिपोर्ट बना रहे हैं, जबकि हकीकत यह है कि तहसील से लगी सीमा पर कृषि भूमि पर अवैध कालोनियों काटी जा रही हैं। भूमाफिया किसानों के साथ मिलकर बिना किसी अनुमति के प्लाट काटते हुए मनमाने दामों पर बेच रहे हैं।

दावा तमाम सुविधाओं का, अनुमति सिर्फ डायवर्सन की

नगरीय और ग्रामीण सीमाओं में भूमाफिया सक्रिय हैं। यहां कालोनियों को काटते समय अनुमति के नाम पर सिर्फ डायवर्सन लेते हैं। जबकि प्लाट बेचने के लिए सड़क, बिजली, पानी, सीवेज, पार्क, मंदिर सहित अन्य सुविधाएं होने का दावा करते हैं। आमजन इनकी बातों में आकर प्लाट तो ले लेते हैं लेकिन बाद में उक्त सुविधाओं के लिए नगर पालिका, तहसील कार्यालय में चक्कर लगाना पड़ते हैं। यह कालोनाइजरों बाकायदा कार्यालय खोलकर सड़क किनारे बोर्ड लगाकर प्लाट बेच रहे हैं। इन कालोनी में प्लाट लेने के बाद कई तरह के विवाद भी होते हैं। ऐसे कई प्रकरण तहसील में लंबित हैं। इनमें नामांतरण, बंटान आदि नहीं होने के मामले शामिल हैं।

पॉलीथीन खाने से गाय की हुई हालत खराब, जिम्मेदार कौन?

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

प्रतिबंधित पॉलीथिन का उपयोग होने से आए दिन मवेशियों की मौत हो रही है फिर भी उसके चलना पर रोक नहीं लग पा रही। नगर में पॉलिथीन के जगह-जगह अंबाला लगे रहते हैं भूखे प्यासे मवेशी इनको खा लेते हैं इसी तरह एक मवेशी ने पॉलिथीन इतनी ज्यादा मात्रा में खाली की उसकी हालत खराब हो रही थी पेट में पॉलिथीन के कारण गैस बनने से उसका पेट फूल रहा था बड़ी संख्या में लोग उसको बचाने का प्रयास करते हुए नजर आए फिर पशु विभाग से संबंधित डॉक्टर को बुलाकर उसका उपचार करने का प्रयास किया पर उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हो रहा था इस तरह की तस्वीर आए दिन शहर में देखने को मिलती है फिर भी पॉलिथीन के चालान पर रोक नहीं लगाई जा रही आखिर ऐसा कौन सा फायदा इस पॉलिथीन से हो रहा है।

पॉलिथीन फिर भी धड़ल्ले से बिक रही है बाजार में - सरकार द्वारा सिंगल यूज पॉलिथीन को बैन कर रखा है इसके बाद भी यह बाजार में धड़ल्ले से बिक रही है, लोग इसका इस्तेमाल कर सड़कों पर फेंक देते है और यह सड़कों पर फिरने वाली मवेशी खा लेती है जिससे उनको नुकसान पहुँचता है यही नहीं मनुष्य को भी प्लास्टिक के सामान में खाने का सामान रखना नुकसानदायक है फिर भी लोग इसका उपयोग कर रोडों पर फेंकने से बाज नहीं आ रहे है।

गायों को रोड पर छोड़ने वाले - वैसे तो लोग गाय को माता मानते है परन्तु अक्सर शहर में देखा जा रहा है मतलब परस्त लोग दिन में गायों और बकरियों को सड़क पर छोड़ देते है और शाम होने पर उनका दूध निकालने के लिये घर ले जाते है, ग्रामीण इलाकों में लोग जब तक गो माता दूध देती है उसे घर में रखते है और जब वोह दूध देना बंद कर देती है तो उसे रोडो पर दर-दर की ठोकरें खाने के लिये छोड़ देते है और जब यह खेतों में नुकसान करती है तो शहर में लाकर छोड़ देते है फिर इनका बुरा हाल हो जाता है कही पॉलिथीन खाने से, कही गाड़ियों से इनका शोषण होता है इसमें जिम्मेदारी किस की कहेंगे।

नगरपालिका प्रशासन भी कही न कही जिम्मेदार - इस मामले में नगरपालिका प्रशासन और ग्राम पंचायतें भी कही न कही जिम्मेदार है सबसे पहले तो बैन हुई पॉलिथीन बाजार में बिक रही है पर नपा प्रशासन क्या कर रहा है, दूसरे शहर में एवं ग्रामीण इलाकों

पेरिस ओलंपिक में आज स्वप्निल से मेडल की उम्मीद, 18 गोल्ड दांव पर

3 मेडल इवेंट में उतरेंगे भारतीय; हॉकी टीम बेल्जियम से खेलेगी

पेरिस, एजेंसी

पेरिस ओलंपिक में गुरुवार को राइफल शूटर स्वप्निल कुसले भारत की मेडल होप होंगे। वे 50मी. राइफल थ्री पोजिशन की मेंस कैटेगरी का फाइनल खेलेंगे। शिफ्ट कौर समारा और अंजुम मौदगिल इसी इवेंट की विमेंस कैटेगरी के क्वालिफिकेशन राउंड में हिस्सा लेंगे। साथ ही बॉक्सर निखत जरीन 50 ग्रा. वेट कैटगरी का प्री-क्वार्टर फाइनल मैच खेलेंगी। पेरिस में चल रहे गेम्स के छठे दिन कुल 18 गोल्ड मेडल दांव पर होंगे। इनमें से 3 मेडल इवेंट में भारतीय खिलाड़ी दावेदार होंगे। भारत अब तक 2 ब्रॉन्ज ही जीत सका है। दोनों मेडल शूटिंग से आए हैं।

बैडमिंटन -सात्विक-चिराग का क्वार्टर मैच चिया-सोह से

बैडमिंटन के मेंस डबल्स में विश्व नंबर-3 सात्विक-चिराग की भारतीय जोड़ी का सामना मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक से होगा। भारतीय जोड़ी ने पिछले साल एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में अपने मलेशियाई प्रतिद्वंद्वियों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए खिताब जीता था। चिया-सोह की जोड़ी टोक्यो 2020 का ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी है। बुधवार को बैडमिंटन की मेंस डबल्स कैटेगरी के ड्रॉ जारी हुए हैं।

भारतीय हॉकी टीम का सामना डिफेंडिंग चैंपियन बेल्जियम से

पेरिस ओलंपिक में आज 18 गोल्ड मेडल दांव पर होंगे। इनमें भारत 3 में दावेदारी पेश करेगा। आज स्विमिंग और रोइंग में सबसे ज्यादा 4-4 गोल्ड मेडल दांव पर होंगे। भारतीय हॉकी टीम का मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन बेल्जियम से होगा। टीम इंडिया पिछले मैच में आयरलैंड को 2-0 से हराकर आ रही है। जबकि बेल्जियम ने टोक्यो की सिल्वर मेडलिस्ट ऑस्ट्रेलिया को 6-2 के बड़े अंतर से हराया है।

लवलीना-निशांत बॉक्सिंग के क्वार्टरफाइनल में, मेडल से एक जीत दूर, मनिका बत्रा राउंड-16 मैच हारीं

भारतीय प्लेयर्स के लिए मिलाजुला रहा। कुछ ने मेडल की उम्मीद बरकरार रखी, तो कुछ ने निराश किया। पेरिस में चल रहे गेम्स के 5वें दिन भारतीयों ने 6 खेलों में चुनौती पेश की। टोक्यो ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन और निशांत देव ने पेरिस ओलिंपिक में अपनी-अपनी वेट कैटेगरी के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। वे मेडल से एक जीत दूर हैं। लवलीना ने विमेंस बॉक्सिंग की 75 ग्रा. वेट कैटेगरी में राउंड ऑफ-16 मैच में नार्वेजियन की मुक्केबाज सुनीवा हॉफस्टड को 5-0 से हराया, जबकि निशांत देव ने इक्वाडोर के जोस गेब्रियल रोड्रिग्ज टेनोरियो 3-3 से हराया। बैडमिंटन में लगातार दो ओलिंपिक में मेडल जीतने वाली पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन ने राउंड ऑफ-16 में प्रवेश कर लिया है। साथ ही शूटर स्वप्निल कुसाले ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन मेंस इवेंट के फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। अनुभवी तीरंदाज दीपिका कुमारी ने लगातार दो मुकाबले जीतते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि अनुभवी तरुणदीप राय पहले ही दौर में हार गए।

ब्रेक के बाद वापसी को तैयार रोहित-विराट, किया अभ्यास

वनडे सीरीज: श्रीलंका के खिलाफ पहला मुकाबला दो अगस्त को कोलंबो में

कोलंबो. एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ब्रेक के बाद मैदान पर वापसी को तैयार हैं। ये दोनों ही क्रिकेटर श्रीलंका के खिलाफ दो अगस्त से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए कड़ा अभ्यास कर रहे हैं। नए मुख्य कोच गौतम गंभीर के मार्गदर्शन यह उनकी पहली सीरीज होगी।

गौरतलब है कि रोहित और विराट ने भारत के टी-20 विश्व चैंपियन बनने के कुछ लम्हों बाद ही अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था। श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज में युवा क्रिकेटरों पर भरोसा जताया गया जो उन्होंने सही साबित किया।

ये होंगे बदलाव

टी-20 सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा रहे रिंकू सिंह, हार्दिक पांड्या, संजू सैमसन, यशस्वी जायसवाल और सूर्यकुमार यादव स्वदेश लौट गए हैं, जबकि रोहित और विराट के अलावा राहुल, श्रेयस अय्यर, कुलदीप यादव व हर्षित राणा वनडे टीम से जुड़ गए हैं। शेष खिलाड़ी कोच गौतम गंभीर व अन्य सदस्यों के साथ प्लेकल से सीधा कोलंबो पहुंचे। कप्तान रोहित आठ महीने बाद भारत के लिए वनडे मैच खेलेंगे। उन्होंने अपना अंतिम वनडे आइसीसी विश्व कप में पिछले साल नवंबर में अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत को सिर्फ छह वनडे खेलने हैं, ऐसे में उनके लिए हर मैच अहम है।

महिला टी-20 रैंकिंग में स्मृति मंधाना चौथे स्थान पर पहुंची

दुबई, एजेंसी

भारतीय बल्लेबाज स्मृति मंधाना और स्पिनर राधा यादव ने दांबुला में खेले गए महिला एशिया कप के समापन के बाद नवीनतम आईसीसी महिला टी-20 रैंकिंग में अपनी स्थिति में सुधार किया है। मंधाना एक स्थान आगे बढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। वह अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान से दो स्थान पीछे हैं। श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू भी अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ छठे स्थान पर पहुंच गईं। भारतीय गेंदबाज रेणुका सिंह दूसरे सेमीफाइनल में तीन विकेट लेने के बाद शीर्ष पांच में वापस आ गई हैं, जबकि राधा यादव सात पायदान ऊपर 13वें नंबर पर पहुंच गई हैं।

टेनिस: मुबाडाला सिटी डीसी ओपन के पहले राउंड में एलिसे मर्टेंस को हराया

वाशिंगटन. एजेंसी

ब्रिटेन की युवा टेनिस स्टार एम्मा राडुकानू ने यहां मुबाडाला सिटी डीसी ओपन टूर्नामेंट के पहले दौर में जीत दर्ज की। मैच के बाद राडुकानू ने बताया कि वे जेट लेग से जूझ रही थीं। ब्रिटेन से अमरीका पहुंची एम्मा को यहां आने के बाद 5 घंटे के समय के अंतर से जूझना पड़ रहा है।

तीन सेटों में जीतीं

एम्मा ने पहले दौर में बेल्जियम की एलिसे मर्टेंस को 6-2, 3-6, 6-4 से हराया। टखने की चोट से उबरने के बाद लय में वापसी की कोशिशों में जुटीं एम्मा इसी कारण पेरिस ओलंपिक में हिस्सा नहीं ले पाईं। उन्होंने कहा, मैं जेट लेग से परेशान थी, लेकिन मैंने खुद से कहा, यहां जीतना है।

चेन्नई में 31 को होगी देश की पहली नाइट स्ट्रीट रेस

चेन्नई. एजेंसी

पिछले साल रद्द की गई फॉर्मूला 4 कार रेस को तमिलनाडु खेल विकास प्राधिकरण ने फिर से आयोजित करने की अनुमति दी है। 31 अगस्त और 1 सितंबर को यह नाइट स्ट्रीट रेस आयोजित करने की तैयारी चल रही है। फॉर्मूला-4 रेस को चेन्नई शहर के चारों ओर लगभग 3.5 किमी. की सड़क पर एक नाइट स्ट्रीट रेस के रूप में आयोजित करने की योजना है। चेन्नई द्वीप से शुरू होकर इस कार रेस के अण्णा सालै, शिवानंद रोड, नेपियर ब्रिज से वापस आइलैंड ग्राउंड तक पहुंचने की योजना है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

मौत से पहले मीता के सपने में आए थे इरफान खान हो गया था उनकी मौत का आभास

29 अप्रैल 2020 में एक्टर इरफान खान का निधन हुआ था। हालांकि एक्ट्रेस मीता वशिष्ठ की मानें तो उन्हें इरफान खान के निधन से पहले ही उनकी मौत का आभास हो गया था। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान मीता ने बताया है कि मौत से चंद दिनों पहले इरफान ने सपने में उनसे लंबी बातचीत की थी। इस दौरान वो समझ चुकी थीं कि इरफान ज्यादा दिनों तक जीवित नहीं रह सकेंगे। एक्ट्रेस ने इरफान के जनाजे में जाने का एक्सपीरियंस भी शेयर किया है, जहां उन्हें कब्रिस्तान में दाखिल होने नहीं दिया जा रहा था। हाल ही में लल्लनटॉप को दिए एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस मीता वशिष्ठ ने बताया है कि वो और इरफान खान थिएटर के दिनों से दोस्त थे। इरफान की पत्नी सुतापा सिकदर, मीता की रूममेट थीं, ऐसे में उनकी गहरी दोस्ती थी। मीता ने बताया कि इरफान खान की डेथ के दिन उनका दोस्त अशोक गोरेगांव से आया था। उसने मीता से फ्यूनरल पर जाने का पूछा और दोनों साथ में कब्रिस्तान पहुंचे। ये लॉकडाउन का पहला फेस था, तो मीता पूरी तरह ढककर कब्रिस्तान पहुंची थीं। एक्ट्रेस ने बताया है कि इरफान इतने मशहूर हो चुके थे कि कई ऐसे बड़े चेहरे भी फ्यूनरल में पहुंचे थे, जिनका उनसे कोई लेना-देना नहीं था। लेकिन वो लोग चेहरे दिखाकर पैपराजी को पोज दे रहे थे।

ताबूत देख सोचा- ये बाय बोलने आया है

मीता ने बताया है कि कब्रिस्तान में महिलाओं को जाने की इजाजत नहीं दी जाती। जब वो और उनका दोस्त अशोक कब्रिस्तान पहुंचे तो गेटमैन ने उन्हें रोक दिया। वो लोग कहते रहे कि हम इरफान के दोस्त हैं, लेकिन गेटमैन ने धूप में 2 घंटे तक उन्हें रोककर रखा। संयोग से जब मीता को कब्रिस्तान में दाखिल होने का मौका मिला तो इरफान खान का ताबूत गाड़ी से उतर रहा था। वो उस समय ठीक से उन्हें नहीं देख सकीं, लेकिन संयोग ये रहा कि एंगल की दिक्कत होने पर उनके ताबूत को दोबारा पलटकर मीता के सामने से गुजारा गया। मीता ने ताबूत को देखकर अलविदा कहा और सोच लिया कि ये मुझसे बाय कहने आया है। बातचीत में मीता ने कहा है, इरफान की डेथ के 10 दिन पहले सपने में मेरी और इरफान की बहुत लंबी बात हुई थी। सपने में उसने कहा था, बहुत दिन हो गए नहीं मिला। मुझे इतना याद है कि ड्रीम टाइम में हमने लगभग 45 मिनट बात की थी। हम बहुत हंस रहे थे। जब मेरी आंख खुली तो मैं शांत महसूस कर रही थी।

मेट्रो बाजार

बड़ी फर्में एनएफओ लेकर आई, पैसे जुटाने में आइपीओ से आगे

इस साल अब तक 63 पैसिव फंड्स लॉन्च

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आइपीओ की धूम है। इस हफ्ते ओला इलेक्ट्रिक सहित 3 मेनबोर्ड आइपीओ लॉन्च हो रहे हैं, वहीं 7 एसएमई आइपीओ भी दस्तक दे रहे हैं। इस साल अब तक 41 मेनबोर्ड और करीब 150 एसएमई आइपीओ आए हैं, जबिक म्यूचुअल फंड्स ने अब तक 141 नए फंड ऑफर (एनएफओ) लॉन्च किए हैं। निवेशकों से पैसे जुटाने में भी एनएफओ ने आइपीओ को पीछे छोड़ दिया। 2024 की पहली छमाही में आइपीओ ने 32,000 करोड़ रुपए जुटाए, वहीं एनएफओ से जुटाई गई राशि 53,000 करोड़ से अधिक रही। निवेश सलाहकार निवेशकों को एनएफओ में निवेश से बचने की सलाह देते हैं, उनका कहना है कि एनएफओ अगल यूनीक बिजनेस मॉडल पर आधारित है तो ही निवेश करें। अगर आप एनएफओ और उसके फंड मैनेजर की इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटेजी से प्रभावित हैं और आपको बेहतर रिटर्न की गुंजाइश नजर आ रही है, तो निवेश पर विचार कर सकते हैं। चूंकि न्यू फंड ऑफर के जरिए लॉन्च स्कीम का कोई पिछला परफॉर्मेंस रेकॉर्ड उपलब्ध नहीं होता, इसलिए यह अनुमान लगाना मुश्किल होता है कि भविष्य में उसका प्रदर्शन कैसा रहेगा। अगर किसी एक्टिव फंड के एनएफओ में निवेश करने की सोच रहे हैं तो उसके फंड मैनेजर के पिछले प्रदर्शन के बारे में जरूर पता करें। ईटीएफ की लॉन्चिंग बढ़ी इन्वेस्टमेंट फर्म एस इक्विटी की रिपोर्ट के मुताबिक, बेंचमार्क इंडेक्स के मुकाबले अधिकतर एक्टिव फंड्स के कमजोर प्रदर्शन के कारण पैसिव फंड्स की तरफ निवेशक आकर्षित हुए हैं, जिससे इस साल ईटीएफ की लॉन्चिंग करीब 40त्न बढ़ गई है। अधिकतर एक्टिव फंड्स के कमजोर प्रदर्शन के कारण पैसिव फंड्स की तरफ निवेशक आकर्षित, 2024 में अब तक 63 पैसिव फंड्स लॉन्च बड़ी फर्में अधिक एनएफओ लेकर आईं, पैसे जुटाने में भी आइपीओ से आगे है।

न्यूयॉर्क में अकेले छुट्टियां मना रही हैं ऐश्वर्या राय बच्चन

ऐश्वर्या राय बच्चन इन दिनों अपनी फैमिली से दूर न्यूयॉर्क में अकेले छुट्टियां मना रही हैं। न्यूयॉर्क से एक फैन ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऐश्वर्या के साथ फोटो पोस्ट की है। यह फोटो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। वायरल फोटो को देखकर यूजर्स सवाल कर रहे हैं कि इस वेकेशन पर उनके साथ पति अभिषेक बच्चन और बेटी आराध्या आए हैं या नहीं? ऐश्वर्या राय बच्चन की फैन कोई और नहीं बल्कि एक्ट्रेस और पॉडकास्टर जेरी रेयना हैं। उन्होंने ऐश्वर्या राय बच्चन के साथ अपनी दो फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर की है। जिसमें वो ऐश्वर्या राय के साथ खुशी से पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं। जेरी ने फोटो को शेयर करते हुए कैप्शन भी लिखा है। जेरी रेयना ने लिखा है, 'अपने जीवन में दो बार अपने आदर्श से मिलना ग्रिड पर एक खास जगह पाने जैसा है। मुझे मेरे सबसे अच्छे रूप में देखने के लिए स्वाइप करें।' उन्होंने आगे लिखा है, 'ऐश, हमेशा मेरे प्रति इतनी दयालु होने के लिए धन्यवाद। जब मैंने आपको मेरे जीवन में आपके प्रभाव के बारे में बताया तो आपने बहुत ध्यान से सुना। इसके लिए आपको धन्यवाद देना मेरा ड्रीम था। मैं आपके लिए इस दुनिया में सभी खुशियों और आनंद की कामना करती हूं।'

डेविड का खुलासा: 'पार्टनर' में गोविंदा के साथ काम नहीं करना चाहते थे सलमान

हाल ही में डेविड धवन ने खुलासा किया कि सलमान खान फिल्म पार्टनर में गोविंदा के साथ काम करने को लेकर उत्साहित नहीं थे। एक इंटरव्यू में, डेविड ने बताया कि उन्होंने निर्माता सोहेल खान को सलमान और गोविंदा को एक साथ कास्ट करने का सुझाव दिया था। सोहेल ने इस पर हां कह दी, लेकिन सलमान इस आइडिया से ज्यादा खुश नहीं थे। बॉलीवुड बबल को दिए इंटरव्यू में, डेविड धवन ने कहा, मैंने सोहेल खान से पूछा कि क्या हम गोविंदा और सलमान भाई को एक साथ ले सकते हैं? सोहेल ने हां कह दी। जब मैंने सलमान से यह बात की, तो वह उतने उत्साहित नहीं थे। मैंने कहा, आओ यार, इसे करते हैं, यह बड़ा हिट होगा। इसके बाद, बैंकॉक में फिल्म की शूटिंग के दौरान, सलमान ने मुझसे कहा, डेविड यार, इससे लड़ना... कोई फायदा नहीं है। बता दें 1990 के दशक में डेविड धवन और गोविंदा की जोड़ी सुपरहिट रही। दोनों ने मिलकर करीब 17 हिट फिल्में कीं। डेविड धवन का मानना है कि वे ही गोविंदा के साथ सबसे बेहतर काम कर सकते थे। उन्होंने कहा, मैं ही उन्हें संभाल सकता था। उन्होंने हमेशा मुझे बहुत मान दिया। जब पूछा गया कि क्या गोविंदा उनके सेट्स पर भी लेट आते थे, तो डेविड ने बिना ज्यादा बताए कहा, मेरा काम हमेशा पूरा हो जाता था। डेविड ने आगे बताया कि फिल्म दीवाना मस्ताना के सेट पर अनिल कपूर थोड़े नाराज थे। अनिल का मानना था कि उनकी छुट्टी के दौरान, गोविंदा और डेविड ने फिल्म की काफी शूटिंग की थी। गौरतलब है कि डेविड धवन और गोविंदा ने एक साथ कई हिट फिल्में की हैं। इनमें राजा बाबू, कुली नंबर 1, हीरो नंबर 1, आंखें, साजन चले ससुराल जैसी कई फिल्में शामिल हैं।

रिपोर्ट : ऊंचे भाव से सोने की मांग पांच फीसदी घटी, निवेश 46 फीसदी बढ़ा

नईदिल्ली, एजेंसी

मार्च 2024 से लेकर 23 जुलाई को आम बजट पेश होने तक सोने की कीमतों में जबरदस्त तेजी आई। 28 फरवरी को प्रति 10 ग्राम 62,000 रुपए के आसपास रहने वाला 24 कैरेट गोल्ड 30 जून तक 76,000 रुपए के पार निकल गया था। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, जून तिमाही में देश में सोने की मांग 149.7 टन रही, जो पिछले साल की समान अवधि में 158.1 टन थी। यानी अप्रैल 2024 से जून के बीच देश में सोने की बिक्री में 5 फीसदी की गिरावट आई। हालांकि कीमतें अधिक होने से मूल्य के आधार पर सोने की बिक्री 14 फीसदी बढ़ी। अप्रैल-जून 2024 में सोने की मांग की कीमत 93,850 करोड़ रुपए रही, जो पिछले साल की इस अवधि में 82,530 करोड़ रुपए थी। हालांकि, जून तिमाही में गोल्ड में निवेश 46 फीसदी बढ़ा। जो 2014 के बाद सबसे ज्यादा है। ऐसा इसलिए हुआ कि लोगों को लगा कि सोने की कीमतें बढ़ती रहेंगी।

क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय में पासपोर्ट के लिए पुलिस सत्यापन विषय पर कार्यशाला

कानूनी दायरे में रहकर करें वेरिफिकेशन, गलत हाथों में पासपोर्ट न जाए, इस बात का रखें ध्यान

भोपाल, दोपहर मेट्रो। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय में पासपोर्ट के लिए पुलिस सत्यापन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर डीजीपी सुधीर सक्सेना बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित थे। इस दौरान उन्होंने कार्यशाला में सम्मिलित पुलिसकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश की प्रगति के लिए पासपोर्ट एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है, लेकिन इसे जारी करना उतना ही संवेदनशील भी है। इसका सीधा संबंध देश की आंतरिक सुरक्षा से जुड़ा है। जब भी आप पासपोर्ट के लिए सत्यापन करें तो कानूनी प्रक्रिया का पूरा ध्यान रखें, साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। डीजीपी ने कहा कि पहले विश्व युद्ध के बाद पासपोर्ट की महत्ता पर जोर दिया गया। स्वतंत्र भारत में वर्ष 1967 में पासपोर्ट एक्ट और उनके नियम आए। यह प्रसन्नता का विषय है कि मध्यप्रदेश में पासपोर्ट सेवा केंद्रों का तेजी से विस्तार हो रहा है।

आठ साल में 24 पासपोर्ट सेवा केन्द्र स्थापित

क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी शितांशु चौरसिया ने बताया कि वर्ष 1978 में तत्कालीन विदेश मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने मध्यप्रदेश में पासपोर्ट कार्यालय का उद्घाटन किया था। विगत 8 सालों में प्रदेश में 24 पासपोर्ट सेवा केंद्र स्थापित हो चुके हैं। वर्ष 2023 में मध्यप्रदेश में 3 लाख पासपोर्ट के आवेदनों की प्रक्रिया की गई, जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को पासपोर्ट प्रदान करने में पुलिस सत्यापन की प्रक्रिया महत्वपूर्ण है। पासपोर्ट एक ऐसा दस्तावेज है, जो सपनों को पंख लगाता है, व्यवसाय को बढ़ाता है, बच्चों की शिक्षा में बहुत महत्वपूर्ण होता है, किंतु पासपोर्ट गलत हाथों में न जाए इसका विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।

डीजीपी ने जानी पासपोर्ट कार्यालय की कार्यप्रणाली

डीजीपी सुधीर सक्सेना और पुलिस विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने अरेरा हिल्स स्थित नवीन पासपोर्ट भवन का भ्रमण किया एवं पासपोर्ट कार्यालय की कार्यप्रणाली जानी। डीजीपी ने कार्यप्रणाली एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय के अधिकारियों की प्रशंसा की। भोपाल के पासपोर्ट कार्यालय में पहली बार ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ है, जिसमें भोपाल, राजगढ़, विदिशा एवं सीहोर जिले के सभी पुलिस थानों से पासपोर्ट जांच-सत्यापन से जुड़े लगभग 77 कर्मियों ने हिस्सा लिया। पासपोर्ट कार्यालय एवं पुलिस विभाग पूर्ण समन्वय से जनहित के लिए कार्य कर रहे हैं।

प्रत्येक जोन में आयोजित की जाए कार्यशाला: डीजीपी सुधीर सक्सेना ने कहा कि नागरिकों को पासपोर्ट बनवाने में सुविधा हो, इसके लिए प्रत्येक जोन में कार्यशाला का आयोजन किया जाए। जिससे पासपोर्ट जांच-सत्यापन से जुड़े पुलिसकर्मियों की दक्षता बढ़ेगी और नागरिकों को पासपोर्ट प्राप्त करना आसान होगा। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक भोपाल (ग्रामीण) अभय सिंह, पुलिस महानिरीक्षक (कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा) अंशुमन सिंह, पुलिस आयुक्त भोपाल हरिनारायणचारी मिश्र, उप क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी संजय चौहान उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी के निज सचिव वरुण चौधरी ने किया।

भूमिपूजन

भोपाल। विधायक भगवानदास सबनानी ने सूरज नगर के शासकीय स्कूल में पेविंग ब्लॉक कार्य के लिए भूमिपूजन किया। इस अवसर पर कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

करंट से झुलसकर बारहवीं कक्षा के छात्र की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित गांव आमला में बुधवार सुबह करंट से झुलसकर बारहवीं के छात्र की मौत हो गई। हादसा घर की बिजली सुधारते समय हुआ। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार अनुराग रजक पिता संजय रजक (18) गांव आमला, रातीबड़ में रहता था और रातीबड़ के शासकीय स्कूल में बारहवीं कक्षा में पढ़ता था। उसके पिता संजय खेती किसानी करते हैं। गांव में ही उनका खेत है। बुधवार सुबह घर की बिजली खराब होने के कारण अनुराग फाल्ट सुधारने का प्रयास कर रहा था, तभी करंट का तगड़ा झटका लगने से गिर गया। परिजन उसे लेकर जय प्रकाश अस्पताल पहुंचे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया।

युवक की जेब से 80 हजार का आईफोन चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मंगलवारा इलाके में दुकान पर सामान खरीदने पहुंचे एक युवक की जेब से 80 हजार रुपए कीमत का आईफोन चोरी हो गया। पुलिस ने अज्ञात चोरों पर प्रकरण कर लिया है। पुलिस घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक दुष्यंत भारद्वाज (32) जेएनसिटी कालेज रोड, न्यू चौकसे नगर करोंद में रहते हैं और न्यू मार्केट स्थित एक ज्वैलर्स की दुकान पर मैनेजर हैं। सोमवार रात करीब साढ़े दस बजे वह संगम तिराहा मंगलवारा स्थित एक दुकान पर सामान खरीदने पहुंचे, तभी किसी ने शर्ट की जेब में रखा उनका आईफोन चोरी कर लिया।

नाबालिग को बंधक बनाकर किया दुष्कर्म, आरोपी को 20 साल कैद

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

14वें अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) सुनील दंडोतिया की अदालत ने नाबालिग बालिका को बंधक बनाकर गलत काम करने वाले एक आरोपी को 20 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ न्यायालय ने आरोपी पर विभिन्न धाराओं में 10 हजार रूपए का जुर्माना लगाया है। प्रकरण में शासन द्वारा की ओर से विशेष लोक अभियोजक त्रिभुवन प्रसाद गौतम, सरला कहार, लक्ष्मी कसाव द्वारा पैरवी की गई है। लोक अभियोजक के अनुसार, 21 मई 2022 को पीड़िता की मां ने छोला मंदिर थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी 16 साल की बेटी सुबह 08:15 बजे मंदिर मे पूजा करने का कहकर घर से गई थी, जो कि घर वापस नही आई। आसपास एवं रिश्तेददारों का पता करने पर कही नही मिली। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की और पीड़िता को खोज निकाला। मामले में पीड़िता ने पुलिस को बयान दिए कि वह मंदिर जल चढाने जा रही थी, तभी रास्ते मे आरोपी मनीष यादव ने सामने गाड़ी आकर रोकी और जबरदस्ती उसक हाथ पकड़कर अपनी मोटरसाईकिल पर बैठाने लगा, जब मना किया तो जान से मारने की धमकी दी।

सर्वेंट क्वार्टर की बाथरूम में गिरकर महिला की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अरेरा कॉलोनी ई-5 में बुधवार सुबह सर्वेंट क्वार्टर की बाथरूम में गिरकर महिला की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद महिला की लाश टायलेट सीट तोड़कर बाहर निकाल पीएम के लिए भेज दी। पीएम के बाद महिला का शव पति को सौंप दिया गया है। पुलिस जांच कर रही है। हबीबगंज थाना प्रभारी अजय कुमार सोनी ने बताया कि जीना ओली पति प्रेम ओली (26) ई-5 अरेरा कॉलोनी में पति के साथ सर्वेंट क्वार्टर में रहती थी। बुधवार सुबह करीब दस बजे के आसपास वह बाथरूम गई थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। पति उसे देखने पहुंचा तो वह बाथरूम में बेहोश पड़ी दिखी। उसका पैर टॉयलेट सीट में फंसा था, जबकि सिर में पीछे की तरफ गंभीर चोट होने से खून बह रहा था। प्रेम ओली ने पत्नी जीना को बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन उसका पैर बाथरूम में फंसा था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण में पता चला कि बाथरूम गंदा था और फिसलन हो रही थी।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवक ने फांसी लगाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार थाना क्षेत्र स्थित राहजर्ष कॉलोनी में श्यामाचरण कॉलेज के पास रहने वाले एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मृतक का मोबाइल जब्त किया है। मोबाइल की सीडीआर निकलवा रही है। पुलिस के अनुसार रोहित चौधरी पिता अजय कुमार चौधरी (22) राहजर्ष कॉलोनी में श्यामाचरण कॉलेज के पास किराए के कमरे में रहता था। मूलत- नरसिंहपुर जिले का रहने वाला अजय कुमार यहां अपने भाई के साथ रह रहा?था और प्राइवेट जॉब के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा?था। रोहित के कमरे से कुछ दूरी पर उसका दोस्त कृष्ण कुमार रहता है। कृष्ण कुमार ने पुलिस को बताया कि उसका रोहित के कमरे में आना जाना लगा रहता है। बुधवार सुबह वह रोहित को कॉल कर रहाथा, लेकिन दोपहर तक कॉल रिसीव नहीं हुआ। कृष्ण कुमार रोहित के कमरे पर पहुंचा तो दरवाजा अंदर से बंद था। उसने आवाज दी, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। खिड़की से देखने पर पता चला कि रोहित ने पंखे पर नायलोन की रस्सी बांधकर फांसी लगा ली है। घटना की जानकारी को बुधवार शाम ही दे दी गई थी। वह नरसिंहपुर से भोपाल पहुंच गए थे, लेकिन रात होने के कारण पीएम नहीं कराया गया। आज गुरुवार सुबह रोहित का पीएम कराने के बाद परिजन को शव सौंप दिया गया है। वे शव लेकर नरसिंहपुर के लिए निकल गए।

कार के कांच तोड़कर कीमती लैपटाप और नकदी चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित मालवीय में मंगलवार दोपहर अज्ञात बदमाशों ने एक इनोवा कार का कांच तोड़कर अंदर रखा लैटपाट और 30 हजार रुपए नकद समेत दस्तावेज चुरा लिए। पुलिस ने अज्ञात चोरों पर मामला दर्ज कर लिया है। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों को फुटेज देखे जा रहे हैं। बदमाशों ने एक अन्य वारदात एमपी नगर में भी की। पुलिस के अनुसार प्रेमपाल सिंह (55) बुलंदशहर उत्तर प्रदेश के हैं। वे पीपीएस बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड के नाम से फर्म का संचालन करते हैं। 29 जुलाई को वह अपने बेटे मनीष और कंपनी के ड्रायवर सतेंद्र कुमार के साथ इनोवा कार से भोपाल आए थे। मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे वह मालवीय नगर स्थित इंडियन काफी हाउस पहुंचे। इस दौरान उनके ड्रायवर सतेंद्र कुमार ने इनोवा कार को मालवीय नगर में रेमंड शोरूम के सामने पार्क की। इसके बाद सुलभ काम्पलेक्स चला गया। करीब पंद्रह मिनट बाद लौटा तो इनोवा की बीच वाली खिड़की का कांच टूटा था। सतेंद्र से मिली सूचना के बाद प्रेमपाल सिंह मौके पर पहुंचे तो देखा कि कार की बीच वाली सीट पर रखा एक लैपटाप, 30 हजार रुपए की नगदी सहित अन्य दस्तावेज नहीं थे। इसी प्रकार की घटना एमपी नगर इलाके में हुई। पुलिस ने बताया कि फरियादी राकेश अहिरवार एमपी नगर जोन क्रमांक-2 में रोड पर कार खड़ी कर काम से चले गए थे। कुछ देर बाद लौटे तो कार का कांच टूटा मिला और अंदर रखा कीमती लैपटाप तथा नकद रुपए नहीं थे।

डीए एरियर नहीं मिला, कोषालय की लापरवाही की जांच की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव उमाशंकर तिवारी ने कहा है कि 14 मार्च 2024 को 4% महंगाई भत्ते में वृद्धि के बाद जुलाई 23 से फरवरी 2024 तक 8 महीने के बढ़ हुए महंगाई भत्ते के एरियर की प्रथम किस्त जो जुलाई माह में भुगतान होना था उसका भुगतान कोषालय की साइट न खुलने से नहीं हो पाया। यह एक गंभीर लापरवाही है। इसकी जांच होना चाहिए। तिवारी ने कहा कि पहले भी कई मौके पर ऐसा हुआ है तथा जुलाई महीने के अंतिम कार्य दिवस तक कर्मचारियों के खाते में प्रथम किस्त की राशि नहीं पहुंची।

मेट्रो एंकर शाहजहांनाबाद स्थित एक युवक के मकान में घुसा चोर

बदमाश अलमारी का लॉकर तोड़कर 70 हजार का माल चोरी कर ले गए

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शाहजहांनाबाद स्थित एक युवक के मकान का ताला तोड़कर भीतर घुसे बदमाशों ने अलमारी का लॉकर तोड़ दिया और उसमें रखे जेवरात तथा नकदी समेत 70 हजार का सामान समेत ले गए। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार आमिर पिता अतीक अहमद (24) मजदूर नगर शाहजहांनाबाद में किराए से रहता है और बैटरी वाला सवारी आटो चलाता है। उसकी मां रेहाना बी सामने वाले मकान में रहती हैं। पिछले दिनों आमिर की पत्नी अपने मायके आष्टा चली गई थी। तीन दिन पहले आमिर की मां ने उसे 20 हजार रुपए दिए और बोला कि घर की अलमारी के लॉकर में रख लो, कुछ दिन बाद ले लेंगे। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे आमिर अपने कमरे पर ताला लगाकर आटो चलाने के लिए चला गया। शाम करीब चार बजे मां ने उसे फोन पर कमरे का ताला टूटा होने की जानकारी दी। आमिर घर पहुंचा तो अलमारी का ताला और लॉकर का ताला टूटा मिला। अंदर रखे 20 हजार रुपए नकदी के अलावा पत्नी के जेवरात समेत करीब 70 हजार का सामान नहीं था। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इंजीनियर समेत कई लोगों के दोपहिया वाहन चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर में दोपहिया वाहनों के चोरी होने का सिलसिला जारी है। पिछले चौबीस घंटों के दौरान एक इंजीनियर समेत कई लोगों के वाहन चोरी चले गए। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार मुबीन खान (36) सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं और अली मंजिल रोड, शाहजहांनाबाद में रहते हैं। मंगलवार की रात करीब साढ़े दस बजे उन्होंने अपनी मोटर सायकिल घर के सामने लॉक करके खड़ी की थी। करीब आधे घंटे बाद घर से बाहर निकलकर देखा तो उनकी बाइक चोरी हो चुकी थी। आसपास तलाश करने के बाद भी जब बाइक नहीं मिली तो उन्होंने थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इधर कमला नगर थानांतर्गत नेहरू नगर से शैलेंद्र सेन और विवेक श्रीवास्तव, भानपुर कलारी के पास छोला मंदिर से चैनसिंह कुशवाह और आरा मशीन रोड बैरागढ़ से पीयूष गिरी की बाइक चोरी चली गई। पुलिस घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों को फुटेज खंगाल रही है।

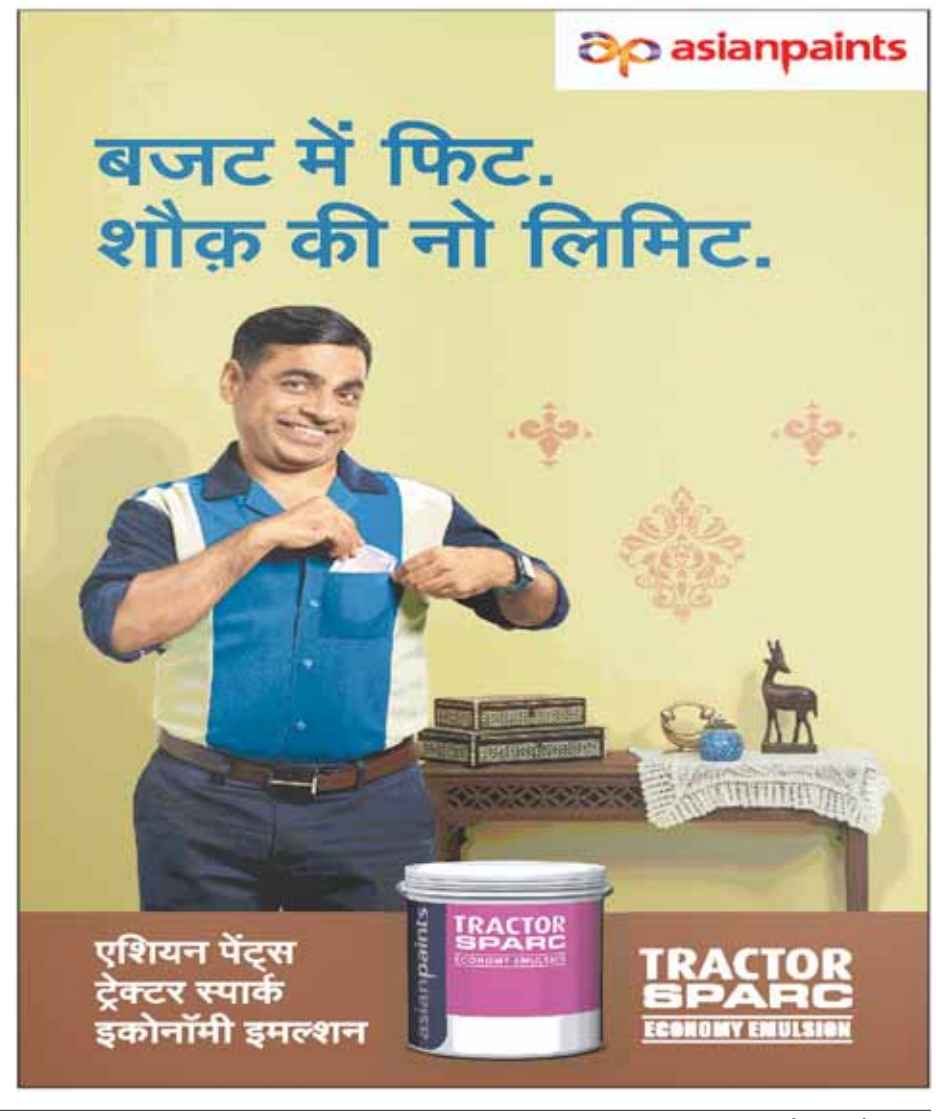

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022